RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 139 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 13-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

SKY TOWERS
JUST 2KM FROM KILPAUK

Midnight PLUG & PLAY Carnival
★ WIN JACKPOT ON EVERY DEAL ★
UPTO 14TH DEC '25 11:59 PM!

www.rera.tn.gov.in
TN/29/Building/0396/2024

FINDING A LIFE PARTNER: TOUGH.
EVERYTHING ELSE IN LIFE: WE ARE HERE.

MIDNIGHT JACKPOT DEALS END ON SUNDAY AT 11:59 PM

CITY CENTRE FULLY FURNISHED PLUG & PLAY HOMES

3BHK	4BHK	2BHK
Price from Monday: ~~₹1.85 Cr*~~	Price from Monday: ~~₹2.85 Cr*~~	Price from Monday: ~~₹1.35 Cr*~~
UP TO SUNDAY MIDNIGHT ₹1.71Cr*	UP TO SUNDAY MIDNIGHT ₹2.79Cr*	UP TO SUNDAY MIDNIGHT ₹1.24Cr*

48 HOURS PLUG & PLAY PRICE BENEFITS: Zero Floor Rise & Premium View Charges | Zero Club Membership & Car Park Charges

A SUITCASE IS ALL YOU NEED TO MOVE IN.

Carnival Plug & Play Inclusions:

QUALITY FITTINGS & FINISHES: False Ceiling | Paints | Floorings | Aluminium Windows | High Quality Wardrobe Wall Storage | Loft Storage | Tv Units | Modular Kitchen | Bath Fittings & Toilets

LUXURIOUS FURNITURE : Sofa | Bed in Each Room | Fans | Ceiling Lights | Mirror | Dresser Unit | Multi-Purpose Floating Storage | Dining Table

BRANDED APPLIANCES: Air Conditioners in Living & Bed Rooms | Washing Machine | Refrigerator | LED Television | Microwave Oven

SURE SHOT LUXURY JACKPOT
ON FIRST 15 DEALS

PLUG & PLAY

TATA SIERRA ON 4BHK

MAHINDRA BE 6 ON 4BHK

HARLEY DAVIDSON ON 2BHK

50 GMS OF GOLD ON 3BHK

WE STILL HAVE SOMETHING IF YOU ARE LATE

iPhone 17 PRO MAX 16TH DEAL ONWARDS

OFFER ON REGULAR APARTMENTS

3BHK	4BHK	2BHK
Price from Monday: ₹1.55 Cr*	Price from Monday: ₹2.40 Cr*	Price from Monday: ₹1.21 Cr*
₹1.51Cr*	₹2.35Cr*	₹1.15Cr*

SPR CITY
A PROJECT WITH BINNY LTD

Images are artist's impressions | *T&C Apply.

73582 00333

बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई को मंत्रिमंडल की मंजूरी, संसद में होगा पेश

नई दिल्ली/भाषा। देश में बीमा कवरेज बढ़ाने और इस क्षेत्र में अधिक पूंजी आकर्षित करने के लक्ष्य के तहत केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ही पेश किया जा सकता है। यह सत्र 19 दिसंबर को समाप्त होने वाला है।

लोकसभा के एक बुलेटिन के मुताबिक, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 को संसद के मौजूदा सत्र की कार्यसूची में शामिल किया गया है। इस विधेयक का उद्देश्य बीमा क्षेत्र में प्रसार बढ़ाना, वृद्धि की रफ्तार बढ़ाना और कारोबारी सुगमता में सुधार लाना है। सूत्रों ने कहा कि सरकार इस विधेयक को सोमवार को संसद में पेश कर सकती है।

गोवा के ब्रांड एंबेसडर हैं टैक्सी ऑपरेटर : केजरीवाल

पणजी/भाषा। गोवा में टैक्सी ऑपरेटर को पर्यटन का ब्रांड एंबेसडर बताते हुए आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने ईमानदारी से आजीविका कमाने के उनके रास्ते में बाधाएं पैदा की हैं।

केजरीवाल 20 दिसंबर को होने वाले जिला पंचायत चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए गोवा में हैं। वह पार्टी नेता आतिशी मार्लेना की उपस्थिति में साउथ गोवा में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, जो भी सरकार सत्ता में आती है वह टैक्सी चालकों को गलत रास्ते पर जाने के लिए मजबूर करती है और फिर उन्हें परेशान करती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि गोवा में आम आदमी पार्टी की सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि वे ईमानदारी से अपनी आजीविका कमा सकें। केजरीवाल ने कहा कि वह टैक्सी ऑपरेटर से खुलकर बातचीत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि टैक्सी स्टैंड गोवा की संस्कृति का अभिन्न अंग हैं और टैक्सी चालक गोवा के पर्यटन उद्योग के ब्रांड एंबेसडर हैं।

फोन टैपिंग मामला: तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पूर्व सरकार के दौरान फोन टैपिंग मामले में आरोपी तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख टी. प्रभाकर राव ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार शुक्रवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तेलंगाना विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख राव ने पूर्वा 11 बजे जुबली हिल्स थाने में जांच अधिकारी (आईओ) के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

प्रभाकर राव ने 2023 के विधानसभा चुनावों में बीआरएस की हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। फोन टैपिंग मामले की जांच में उनसे हिरासत में पूछताछ करना महत्वपूर्ण है क्योंकि उस समय वे खुफिया इकाई के प्रमुख थे। हैदराबाद पुलिस ने मार्च 2024 से अब तक निलंबित एसआईपी के पुलिस उपाधीक्षक समेत चार पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से खुफिया जानकारी मिटाई और फोन टैप किए। बाद में चारों पुलिस अधिकारियों को जमानत दे दी गई।

कविता ने भ्रष्टाचार को लेकर बीआरएस और कांग्रेस पर साधा निशाना

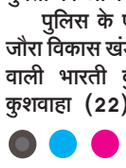

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से निलंबित के. कविता ने बीआरएस और सत्तारूढ़ कांग्रेस दोनों पर 'भ्रष्टाचार तथा अनियमितताओं' का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि वह एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगी और 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद से हुए सभी 'अन्यायों' की जांच करेंगी। उन्होंने बीआरएस के कुछ नेताओं द्वारा उनके पति पर लगाए गए आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताई और कांग्रेस के साथ समझौता करने की बात को 'बदनाम करने की कोशिश' करार देते हुए खारिज कर दिया। कविता ने कहा, ''सौ प्रतिशत, सरकार द्वारा पट्टे पर दी गई औद्योगिक भूमि को बीआरएस सरकार में निजी व्यक्तियों को चयनात्मक रूप से हस्तांतरित किया गया। समय तय करेगा कि किसने हस्ताक्षर किए और इसके पीछे कौन था। कविता ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेड्डी बीआरएस को भ्रष्ट बताकर सत्ता में आए, लेकिन उन्होंने ऐसी अनियमितताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

नमो भारत ने दो वर्षों में दो करोड़ यात्रियों का आंकड़ा पार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नमो भारत ने अपनी सेवा शुरू होने के दो वर्षों के भीतर दो करोड़ यात्रियों का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर क्षेत्रीय परिवहन के एक पसंदीदा साधन के रूप में उसकी पहचान और पुख्ता हुई है।

प्रधानमंत्री द्वारा साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर के खंड का उद्घाटन करने के बाद 21 अक्टूबर, 2023 को नमो भारत का परिचालन शुरू हुआ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अनुसार, अपने पहले पूर्ण माह में, नवंबर 2023 में नमो भारत ने 72,000 से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया था। मार्च 2024 में मोदीनगर नॉर्थ और अगस्त 2024 में मेरठ साउथ तक चरणबद्ध विस्तार के बाद यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ी।

एनसीआरटीसी ने बताया कि दिसंबर 2024 तक 42 किलोमीटर और नौ स्टेशन चालू होने के साथ मासिक यात्री संख्या करीब सात लाख पर पहुंच गई, जो एक वर्ष पहले दर्ज आंकड़ों की तुलना में लगभग दस गुना अधिक है।

जनवरी 2025 में यात्रियों की संख्या में प्रमुख बढ़ोतरी उस समय आई, जब प्रधानमंत्री ने न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद तक 13 किलोमीटर लंबे दिल्ली सेक्शन का उद्घाटन किया। इसमें आनंद विहार सहित दिल्ली में दो स्टेशन शुरू किए गए।

एनसीआरटीसी ने बताया कि जुलाई 2025 तक मासिक यात्री संख्या लगभग 15 लाख के करीब पहुंच गई और नमो भारत सेवा ने एक दिन में 81,550 से अधिक यात्रियों के साथ अपना उच्चतम रिकॉर्ड दर्ज किया। दैनिक औसत अब 55,00060,000 यात्रियों के बीच है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अनुपयोगी हो चुके 71 कानूनों को निरस्त करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को उन 71 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी, जिनकी उपयोगिता कानून की किताबों में समाप्त हो चुकी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन 71 कानूनों में से 65 प्रमुख अधिनियमों में संशोधन हैं और छह प्रमुख कानून हैं। अधिकारियों ने बताया कि निरस्त किए जाने वाले प्रस्तावित कानूनों में से कम से कम एक कानून ब्रिटिश काल का है।

एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित निरसन और संशोधन विधेयक का उद्देश्य औपनिवेशिक कानूनों को रद्द करना नहीं है, बल्कि उन अधिनियमों को हटाना है, जिनकी उपयोगिता समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया, ''संसद द्वारा संशोधन पारित हो जाने के बाद वह मूल कानून में समाहित हो जाता है। फिर वह केवल कानूनों की किताबों में अनावश्यक बोझ डालता है। इसका इस्तेमाल अब समाप्त हो चुका है, लेकिन यह अब भी मौजूद है, जिससे भ्रम पैदा होता है।'' अब तक 1,562 पुराने अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया जा चुका है।

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता, इस साल नवंबर तक 11 ट्रेन दुर्घटनाएं हुईं : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने के कारण 2025-26 में नवंबर तक ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या कम होकर 11 रह गई जो 2014-15 में 135 थी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उनसे सवाल किया गया था कि केंद्र सरकार ने रेलवे में 'कोई दुर्घटना नहीं हो' यह सुनिश्चित करने के लिए क्या आवश्यक सुरक्षा उपाय किए हैं। इसके जवाब में वैष्णव ने कहा कि पिछले कुछ साल में किए गए अलग-अलग सुरक्षा उपायों की वजह से दुर्घटनाओं की संख्या में खासी कमी आई है। रेल मंत्री ने कहा कि 2014-15 में ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 135 थी जो 2024-25 में घटकर 31 रह गई। उन्होंने कहा कि 2004-14 के दौरान ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 1711 (हर साल औसतन 171) थी, जो 2024-25 में घटकर 31 और 2025-26 में (नवंबर, 2025 तक) 11 हो गई है। वैष्णव ने ट्रेन दुर्घटनओं को रोकने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मानवीय चूक से होने वाले हादसों को कम करने के लिए 31 दिसंबर 2025 तक 6,656 स्टेशनों पर पॉइंट और सिग्नल के केंद्रीकृत परिचालन के साथ इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग व्यवस्था की है। वैष्णव के अनुसार, ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 'कवच' को धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है और इसका वर्जन 4.0 दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-कोटा-नागदा सेक्शन और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-बर्धमान खंड में सफलता पूर्वक चालू कर दिया गया है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्ग के बाकी हिस्से में 'कवच' को लागू किया जा रहा है।'' 'कवच' भारतीय रेलवे की एक स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (एटीपी) है, जिसे ट्रेनों की टक्करों और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने 1984 के सिख विरोधी दंगे के पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के 36 सदस्यों को शुक्रवार को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने इस कदम को ''केवल रोजगार नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए गरिमा, अधिकारों और पहचान की बहाली'' बताया, जो चार दशकों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

गुप्ता ने कहा कि 1984 के दंगे एक अविस्मरणीय त्रासदी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कोई भी मुआवजा परिवारों की पीड़ा और क्षति की भरपाई नहीं कर सकता है, लेकिन दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उन्हें एक गरिमापूर्ण जीवन मिले। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन के माध्यम से न्याय प्रक्रिया में तेजी लाने का श्रेय दिया और कहा कि उनकी सरकार एक पारदर्शी और त्वरित नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करके उस संकल्प को आगे बढ़ा रही है।

इससे पहले 19 आश्रितों को नियुक्ति पत्र दिए गए थे और नवीनतम बैच के साथ दंगा प्रभावित परिवारों के कुल 55 सदस्यों को अब विभिन्न विभागों में 'मल्टी-टास्किंग स्टाफ' (एमटीएस) पदों पर नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने नियुक्त किए गए नए लोगों से ईमानदारी के साथ सेवा करने और 'विकसित दिल्ली' के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह निर्णय उन परिवारों के गहरे जख्मों पर मरहम का काम करता है, जिन्होंने पहचान और न्याय के लिए दशकों तक संघर्ष किया है।

इंडिगो के उड़ान व्यवधान की जांच के लिए बाहरी विमानन विशेषज्ञ नियुक्त

मुंबई/भाषा। इंडिगो के निदेशक मंडल ने उड़ानों के परिचालन में हाल में आए व्यापक व्यवधानों के मूल कारणों का विश्लेषण करने के लिए शुक्रवार को एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ की नियुक्ति की घोषणा की। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि स्वतंत्र विमानन विशेषज्ञ जल्द से जल्द समीक्षा शुरू करेंगे और निदेशक मंडल को एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। निदेशक मंडल ने विमानन कंपनी की हालिया उड़ान संबंधी बाधाओं की व्यापक समीक्षा एवं मूल कारण का विश्लेषण करने के लिए 'एविएशन एडवाइजर्स एलएलसी' की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

बयान के अनुसार, ''चीफ एविएशन एडवाइजर्स एलएलसी, परिचालन व्यवधान तथा इसके लिए जिम्मेदार कारकों की स्वतंत्र विशेषज्ञ समीक्षा एवं आकलन करेगी। इसका नेतृत्व अनुभवी विमानन विशेषज्ञ कैप्टन जॉन इल्सन कर रहे हैं।'' यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) इसिड्रे पोरक्रेरास नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा गठित चार-सदस्यीय समिति के समक्ष पूछताछ के लिए तलब किए गए हैं।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री नवंबर में करीब 19 प्रतिशत बढ़ी : सियाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग बने रहने से यात्री वाहनों की थोक बिक्री में नवंबर में सालाना आधार पर करीब 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उद्योग निकाय सियाम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) ने बयान में कहा कि यात्री वाहनों की कुल बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर 3,47,522 इकाई से 18.7 प्रतिशत बढ़कर 4,12,405 इकाई हो गई। मोटर वाहन उद्योग की अग्रणी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की थोक बिक्री नवंबर में 1,70,971 इकाई रही जो नवंबर 2024 की 1,41,312 इकाइयों की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की थोक बिक्री सालाना आधार पर 46,222 इकाई से 22 प्रतिशत बढ़कर 56,336 इकाई हो गई। हुंदै मोटर इंडिया की थोक बिक्री समीक्षाधीन महीने में चार प्रतिशत बढ़कर 50,340 इकाई हो गई जो नवंबर 2024 में 48,246 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री समीक्षाधीन महीने में 16,04,749 इकाइयों की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़कर 19,44,475 इकाई हो गई। स्कूटर की थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 7,35,753 इकाई हो गई जो नवंबर 2024 में 5,68,580 इकाई थी। मोटरसाइकिल की थोक बिक्री पिछले महीने 17.5 प्रतिशत बढ़कर 11,63,751 इकाई हो गई जबकि नवंबर 2024 में यह 9,90,246 इकाई थी। मोपेड की बिक्री पिछले महीने दो प्रतिशत घटकर 44,971 इकाइयां रह गई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 45,923 इकाइयां थीं। तिपहिया वाहनों की कुल थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 71,999 इकाई पर पहुंच गई। सियाम के के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, '' त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग बने रहने और सरकार के जीएसटी 2.0 सुधारों के समर्थन से भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने नवंबर 2025 में बिक्री की गति को बरकरार रखा।'' यात्री वाहनों, दोपहिया व तिपहिया वाहनों की बिक्री ने 2025 के नवंबर महीने में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की।

अमृतसर के कई स्कूलों को बम की धमकियां मिलीं, छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

अमृतसर/भाषा। पंजाब के अमृतसर में शुक्रवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, जिसके मद्देनजर छात्रों को स्कूलों से बाहर निकाला गया और प्राधिकारियों ने परिसरों की गहन तलाशी शुरू कर दी।

अमृतसर में जिला प्रशासन द्वारा सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिए जाने के बाद घबराए हुए अभिभावक अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूलों की ओर दौड़ पड़े।

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने एक बयान में कहा, ''अमृतसर के शहरी और ग्रामीण इलाकों के कुछ स्कूलों को संदिग्ध ईमेल प्राप्त हुए हैं। प्रत्येक स्कूल में एक राजपत्रित अधिकारी तैनात किया गया है और तलाशी जारी है। साइबर पुलिस थाना युद्धस्तर पर ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटा है।''

पूर्व में कुछ छात्र इस तरह की ''शरारत'' के लिए जिम्मेदार पाए गए थे। अधिकारी ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

भाजपा विधायक ने ममता बनर्जी की तुलना 'ताड़का' और 'सुरसा' से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई टिप्पणी के लिए आलोचना की। उन्होंने बनर्जी की तुलना रामायण में वर्णित राक्षसी 'ताड़का' और 'सुरसा' से करते हुए कहा कि उनका राजनीतिक अंत निश्चित है।

चंद्राकर ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि बनर्जी को भाजपा या उसके नेतृत्व के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जब उनसे पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा शाह पर की गई टिप्पणी के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा, ''वह बंगाल के लिए ताड़का और सुरसा हैं। किसी देश के गृह मंत्री पर टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए। बंगाल को उन्होंने (ममता ने) क्या दियायह सोचना चाहिए। माननीय गृह मंत्री ने कहा है कि घुसपैठिये इस देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तय नहीं कर सकते। ममता जी धमकी नहीं दे सकतीं। वह जमाना लद गया। वह कांग्रेस को धमकी दे सकती हैं कि 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व मैं करूँगी। भाजपा या भाजपा नेतृत्व को किसी तरह के अपशब्द कहने का उनको कोई अधिकार नहीं है। वह खुद 'ताड़का' और 'सुरसा' जैसी हैं, जिसका (राजनीतिक) वध निश्चित है।''

पोंजी घोटाले पर शिकंजा : ईडी ने मेघालय में 17.91 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक पोंजी घोटाले की जांच के तहत 17.91 करोड़ रुपए की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईडी के शिलांग उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने यह कार्रवाई 10 दिसम्बर को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की। कुर्क की गई संपत्तियों में 13 अचल और सात चल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें कई लग्जरी कारें भी बताई जा रही हैं जिन्हें कथित रूप से अपराध की आय से खरीदा गया।

धनशोधन की जांच सीआईडी, मेघालय पुलिस द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी से शुरू हुई, जो आरबीआई (शिलांग) की शिकायत पर आधारित थी। इसके बाद 'पर्लवाइन इंटरनेशनल' नामक योजना चलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप-पत्र दाखिल किया गया। ईडी के अनुसार, खुद को गलत तरीके से अमेरिका की कंपनी के रूप में पेश करने वाली पर्लवाइन इंटरनेशनल ने आकर्षक योजनाओं का लालच देकर निवेश कराने शुरू किए। कंपनी ने न्यूनतम 2,250 रुपए की सदस्यता राशि ली और 2018 से मार्च 2023 तक पूरे देश में पोंजी नेटवर्क चलाया।

राजग सरकार में देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति 'अनर्थव्यवस्था' की ओर बढ़ रही : हुड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार के पिछले 11 साल के कार्यकाल में आजादी के बाद पिछले 78 साल के रिकॉर्ड 'लुढ़कने' का दावा करते हुए कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने शुक्रवार को कहा कि अर्थव्यवस्था की स्थिति 'अनर्थव्यवस्था' की तरफ बढ़ गई है।

हुड्डा ने लोकसभा में वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच और संबंधित विनियोग (संख्याक4) विधेयक, 2025 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि यह सरकार अर्थव्यवस्था के अनेक रिकॉर्ड बनने के दावे करती है, लेकिन इसके कार्यकाल में गरीब और अमीर के बीच खाई बढ़ने, डॉलर के मुकाबले रुपया निम्नतम स्तर पर पहुंचने, कई क्षेत्रों में एक या दो कंपनियों का एकाधिकार हो जाने तथा केंद्र एवं राज्यों पर ऋण बढ़कर जीडीपी का 82 प्रतिशत से अधिक होने के रिकॉर्ड बने हैं।

हुड्डा ने दावा किया कि इस सरकार में विकास दर मापने की नई पद्धति पर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं और आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) इस मूल्यांकन पद्धति को सी ग्रेड दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दस साल में जहां औसत विकास दर 8.1 प्रतिशत रही, वहीं खुद इस सरकार के आंकड़ों की मानें तो पिछले 11 साल में यह औसत 5.75 प्रतिशत रह गई है।

हुड्डा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''आपके समय 78 साल के रिकॉर्ड लुढ़के हैं। आपके कार्यकाल में रुपया 78 वर्ष में निम्नतम स्तर पर है। एशिया की बाकी मुद्राओं की तुलना में सबसे बुरा प्रदर्शन रुपए का। आपके समय यह रिकार्ड बना है।'' उन्होंने कहा कि चालू खाता घाटा 78 साल में किसी एक महीने में सबसे अधिक गत अक्टूबर में था जो सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) का 1.3 प्रतिशत हो गया और अगले साल इसके और बढ़ने का अनुमान है।

हुड्डा ने कहा कि एक रिकॉर्ड इस सरकार में असमानता का बना है तथा अमीर और गरीब के बीच खाई 78 साल ही नहीं, बल्कि 1922 के उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से 100 साल में सर्वाधिक बढ़ी है।

मुरैना में शादी से एक दिन पहले दुल्हन ने प्रेमी संग जान दी

मुरैना, (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में एक युवक और युवती ने बृहस्पतिवार को पेड़ पर एक ही दुपट्टे से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि युवती की आज ही शादी होने वाली थी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जौरा विकास खंड के तिलऊंआ गांव की रहने वाली भारती कुशवाहा (19) और रवि कुशवाहा (22) आपस में प्रेम करते थे। लेकिन दोनों एक ही परिवार से आते थे और रिश्ते में चचेरे भाई बहन लगते थे। इस कारण परिजनों ने इनके रिश्ते को मंजूरी नहीं दी और दोनों के मिलने पर रोक लगा दी थी। भारती के पिता ने बेटी की शादी मुरैना जिले के डाबी का पुरा गांव के गोलू कुशवाहा से तय कर दी थी जिससे दोनों नाराज थे। गोलू और भारती का विवाह शुक्रवार 11 दिसंबर को होने वाला था और बारात भारती के गांव आनी थी। उससे पहले ही भारती ने रवि कुशवाहा के साथ गांव के पीछे नीम के पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जौरा के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी नितिन बघेल ने बताया कि दुपट्टे के दोनों छोर से दोनों ने फंदा लगा लिया। प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। परिजन बोलने से कतरा रहे हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले की जांच की जाएगी तथा परिजनों के बयान लिए जायेगें, तभी मामला कुछ स्पष्ट होगा।

▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 139 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 13-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी खुद को 'झूठ की दुकान' साबित करने पर अमादा : भाजपा

6 न्यूरो से अपराध विज्ञान तक : यौन अपराधों की वैज्ञानिक पड़ताल

7 सारा अर्जुन के डेब्यू पर भावुक हुए पिता राज अर्जुन

फर्स्ट टेक

सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगा सकता है पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के कानून एवं न्याय राज्य मंत्री बैरिस्टर अकील मलिक ने चेतावनी दी है कि यदि सोशल मीडिया मंच अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं करते, तो सरकार उन पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर सकती है। 'डॉन' अखबार की एक खबर के अनुसार मलिक ने यह टिप्पणी बृहस्पतिवार को की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को फरवरी 2024 में आम चुनाव के लगभग 10 दिन बाद 'ब्लॉक' कर दिया गया था। पाकिस्तान में लगभग 45 लाख लोग इस मंच का उपयोग करते हैं। 'डॉन न्यूज' के एक कार्यक्रम में, मलिक ने जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान के 'एक्स' खाते पर संभावित प्रतिबंध के सवाल पर कहा, जांच जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'एक्स' से संपर्क किया है, लेकिन अन्य सोशल मीडिया मंचों की तुलना में इसने सबसे कम सहयोग दिखाया है।

जापान में 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद जारी सुनामी की चेतावनी वापस ली गई

टोक्यो/एपी। जापान में आए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद शुक्रवार को जारी की गई सुनामी की चेतावनी वापस ले ली गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए ने बताया कि भूकंप जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तरी क्षेत्र स्थित आओमोरी में तट के पास पूर्वाह्न 11 बजकर 44 मिनट पर आया। एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र लगभग 20 किलोमीटर की गहराई में था। इससे पहले एजेंसी ने चेतावनी दी थी कि होकाइदो, आओमोरी, इवाते और मियागी में प्रशांत महासागर तट पर एक मीटर (3.2 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें उठ सकती हैं, लेकिन दो घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया।

पुतिन ने वेनेजुएला के प्रति 'एकजुटता' व्यक्त की

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को वेनेजुएला के लोगों के प्रति ऐसे समय में ''एकजुटता'' व्यक्त की, जब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन ने फोन पर मादुरो से बात की और बढ़ते बाहरी दबाव के बीच ''राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा'' करने की उनकी नीति का समर्थन दोहराया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट से एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया।

13-12-2025 सूर्यास्त 5:43 बजे | 14-12-2025 सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
85,267.66 (+449.52)	26,046.95 (+148.40)

सोना	चांदी
13,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	207,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

खिसियाने

है सफल सियासतदां वो ही,
जो लगा सके हरदम गोंचे।
प्रतिपक्षी पर जो ठीक वक्त में,
हमला करने की सोचे।
पर कई बार इस कोशिश में,
लगने लगते हैं वे पोचे।
फर्जी मुद्दों पर लगता है,
खिसियाने ज्यों खंभा नोचे।।

अस्पृश्यता उन्मूलन के प्रयासों के लिए

सावरकर को वह सम्मान कभी नहीं मिला जिसके वह हकदार थे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजयपुरम/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश में अस्पृश्यता उन्मूलन के प्रयासों के लिए वी.डी. सावरकर को वह सम्मान कभी नहीं दिया गया जिसके वह हकदार थे।

श्री विजयपुरम में सावरकर के गीत 'सागर प्राण तलमाला' की 115वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने हिंदू समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ साहस के साथ लड़ाई लड़ी और समुदाय के विरोध का सामना करने के बावजूद प्रगति जारी रखी।

गृहमंत्री ने कहा, ''सावरकर ने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए एक महान संघर्ष किया। उन्होंने हिंदू समाज की सभी बुराइयों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए काम किया।''

शाह ने कहा कि आजादी से पहले, यहां सेलुलर जेल में लाए गए किसी भी व्यक्ति को उसके परिवार वाले भूल जाते थे। उन्होंने कहा, ''किसी ने नहीं सोचा था कि वह कभी इस जेल से लौटेंगे। आज यह स्थान सभी भारतीयों के लिए तीर्थस्थल बन गया है क्योंकि वीर सावरकर ने अपना कठिन समय यहीं बिताया था।'' शाह ने कहा कि यहां हर राज्य से किसी न किसी व्यक्ति को फांसी दी गई थी।

गृह मंत्री ने कहा कि यह स्थान सुभाष चंद्र बोस की यादों से भी जुड़ा हुआ है, क्योंकि आजाद हिंद फौज ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को मुक्त कराया था। उन्होंने कहा कि बोस ने यहां के दो द्वीपों का नाम 'शहीद' और 'स्वराज' रखा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आधिकारिक रूप दिया।

शाह ने कहा कि सावरकर जन्मजात देशभक्त और दूरदर्शी होने के साथ-साथ एक समाज सुधारक, कवि और लेखक भी थे। उन्होंने कहा, ''बहुत कम लेखक गद्य और पद्य दोनों में महारत हासिल कर पाते हैं। मैंने उनका साहित्य गहराई से पढ़ा है, और आज भी मैं यह तय नहीं कर पाता कि वह बेहतर कवि थे या लेखक; दोनों में ही वह उत्कृष्ट थे। बाद में वह एक महान भाषाविद् बने। उन्होंने अनेक नए शब्द गढ़कर हमारी भाषा को समृद्ध किया। वीर सावरकर ने हमारी भाषाओं को समृद्ध करने के लिए 600 से अधिक शब्द दिए हैं।''

शाह ने कहा कि सावरकर को एक ही जीवनकाल में दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने कहा, जब वह (सावरकर) सेलुलर जेल पहुंचे, तो जेलर ने कहा, सावरकर, आप आ तो गए हैं, लेकिन आप यहां से जा नहीं पाएंगे। इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'मैं जरूर जाऊंगा; आपके शासन का जीवनकाल मेरे से कम है। मैं भारत माता को स्वतंत्र देखकर ही जाऊंगा।' देश के भविष्य और भारत की स्वतंत्रता में उनका अटूट विश्वास ऐसा ही था।

गृह मंत्री ने कहा, ''सावरकर की एक पंक्ति मेरे जैसे उनके अनेक अनुयायियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है – 'वीरता भय की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि भय पर विजय है।'

आंध्र प्रदेश में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 23 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तूर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्रवार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और खलासी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चित्तूर-मारेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4:30 बजे हुई।

बरदार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''घाट रोड सड़क से बस के नीचे गिर जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। बस पलट गई... और वहीं फंस गई।''

भारत में टीबी की दर 2015 की तुलना में 21 प्रतिशत कम हुई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट 2025 के अनुसार भारत में तपेदिक की दर में 21 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2015 में प्रति लाख की आबादी पर 237 से घटकर 2024 में प्रति लाख की आबादी पर 187 रह गई है। नड्डा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि तपेदिक (टीबी) से होने वाली मृत्यु दर 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 से घटकर 2024 में प्रति लाख जनसंख्या पर 21 हो गई, यानी इसमें 25 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि भारत में तपेदिक उपचार कवरेज 2015 में 53 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 92 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान (राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम) को देश के सभी राज्यों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में लागू किया गया है।

अहमदाबाद में होटल में लगी आग, 35 लोगों को बचाया गया

अहमदाबाद/भाषा। शहर के एक व्यावसायिक परिसर स्थित एक होटल में शुक्रवार को आग लगने के बाद 35 लोगों को बचाया गया और इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। थलतेज अग्निशमन केंद्र के अधिकारी प्रवीणसिंह सोलंकी ने बताया कि सोला क्षेत्र में साइंस सिटी रोड के पास परिश्रम एलिगेंस वाणिज्यिक परिसर की दूसरी मंजिल पर स्थित होटल 'सिटीजन इन' में अपराह्न करीब तीन बजे आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग पर एक घंटे के भीतर काबू पा लिया गया। अधिकारी के अनुसार, अहमदाबाद अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा (एएफईएस) ने घटनास्थल पर आठ से नौ दमकल गाड़ियां भेजीं। दमकलकर्मियों ने खिड़कियों के शीशे तोड़कर और सीढ़ियों का इस्तेमाल करके इमारत से कम से कम 35 लोगों को बचाया।

रेलवे की 1,068 हेक्टेयर पर अतिक्रमण: वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि 31 मार्च 2025 तक की स्थिति के अनुसार भारतीय रेल के पास कुल 4.99 लाख हेक्टेयर भूमि है, जिसमें से देश के विभिन्न हिस्सों में 1,068.54 हेक्टेयर भूमि पर लंबे समय से अतिक्रमण है। वैष्णव ने भूमि पर अतिक्रमण से जुड़े एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि रेलवे नियमित सर्वे कराता है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करता है। उन्होंने कहा, अस्थायी प्रकृति के अतिक्रमण (झुग्गी, झोपड़ी और अस्थायी बस्तियां) रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय प्रशासन की मदद से हटाए जाते हैं। मंत्री ने कहा, जहां पक्के ढांचे बने हैं और बातचीत से समाधान संभव नहीं होता।

धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी बची रहेगी सृष्टि : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाराबंकी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को किसानों से कहा कि धरती का स्वास्थ्य सही रहेगा तभी सृष्टि बची रहेगी। बाराबंकी के दौलतपुर ग्राम में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन तथा खेती की बात खेत पर नामक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रबी सत्र की किसान पाठशाला की शुरुआत करते हुए कहा कि ''धरती माता हमारा पेट भरने के लिए अन्न उत्पन्न करती है, लेकिन इसका स्वास्थ्य भी ठीक रहना चाहिए और स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव ही नहीं बल्कि सारी सृष्टि बची रहेगी।''

खेत पर पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की कृषि प्रगति, बहुफसली खेती, तकनीकी नवाचार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था की पारदर्शिता और किसानों की आय वृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनेक कार्यक्रम वर्तमान में चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने नेशनल विजन ऑफ नेचुरल फार्मिंग के जिस अभियान को आगे बढ़ाया है ये उसी कड़ी का हिस्सा है।

योगी ने कहा, '' वे (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) हमेशा कहते हैं कि किसान की आमदनी को बढ़ाने का पहला मंत्र है लागत कम हो तथा उत्पादन ज्यादा हो। अन्नदाता किसान को समय पर बीज, खाद, सिंचाई की सुविधाएं तथा वैज्ञानिक पद्धतियों का सहयोग मिले तो ये संभव है।''

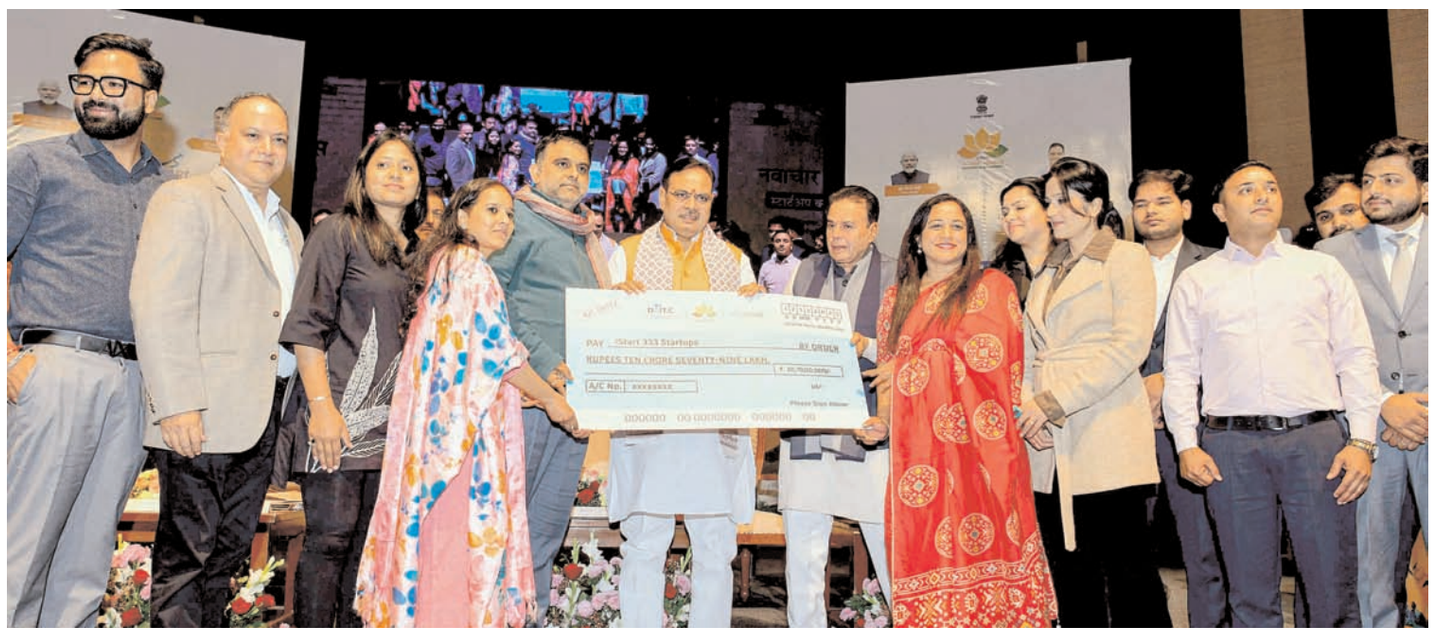

हम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरे : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी सरकार ने दो साल के कार्यकाल में जनता की उम्मीदों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने 'संकल्प पत्र' के लगभग 70 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार में संलिप्त लोगों को चेतावनी दी कि राजस्थान की जनता का हक खाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। वह राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कार्यकाल के दो साल पूरा होने पर यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,जिस संकल्प (घोषणा) पत्र के माध्यम से हम जनता के बीच गए थे, उसके लगभग 70 प्रतिशत वादे हमने पूरे किए हैं। प्रदेश की जनता की जो उम्मीद थी उस पर खरा उतरने का काम हमने किया है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार के दो वर्ष सुशासन, विकास व विश्वास के दो साल हैं और इस दौरान प्रदेश की दशा व दिशा बदलने के लिए ठोस शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा,राज्य सरकार के ये दो वर्ष प्रदेश के चौमुखी विकास, जन-जन के कल्याण के लिए समर्पित है। इन दो साल में सरकार ने न केवल नीतिगत सुधार किए बल्कि धरातल पर दिखने वाले कामों से यह संदेश दिया है कि ईमानदारी, इच्छाशक्ति हो तो राजस्थान के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में खड़ा करना कोई दूर की बात नहीं है।

शर्मा ने कहा,हमने केवल कहा नहीं बल्कि करके दिखाया है। आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। हमने संकल्प-पत्र में कुल 392 संकल्प लिए गए थे जिसमें से 274 संकल्प या तो पूरे कर दिए गए हैं या प्रगति पर है। हमने जनता जर्नादन से जो काम पांच साल में पूरे करने का वादा किया था, उनमें से 70 प्रतिशत तक कार्य दो वर्ष में पूरे किए हैं।

उन्होंने कहा-हमारी सरकार ने साफ नीयत, प्रभावी कार्यान्वयन व पूर्ण पारदर्शिता के साथ ऐसा प्रशासन दिया है जिसने राजस्थान को देश के 'बेस्ट परफॉर्मर स्टेट' की श्रेणी में पहुंचा दिया है। जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन को लेकर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा,राज्य की पूर्ववर्ती सरकार ने योजना को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया। पेयजल पाइपलाइन से लेकर निविदा तक हर स्तर पर अनियमितता और 'कमीशनखोरी' से गांव ढाणी के गरीब तक स्वच्छ पानी पहुंचने में बड़ी बाधा खड़ी की।

उन्होंने कहा, हमने कहा था कि भ्रष्टाचार करने वाली मछलियां ही नहीं, बल्कि मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे। पकड़े भी गए हैं, जेल भी गए। अपने किए की सजा भी भुगत रहे हैं। हम आगे भी किसी को छोड़ने वाले नहीं है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सरकार की उपलब्धियां से जुड़ी एक किताब का विमोचन किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्य के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा भी मौजूद रहे।

कोरोना से जान गंवाने वाले सभी कार्मिकों को पीएमजीकेवाई पैकेज में शामिल करे केंद्र : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उच्चतम न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया है जिसमें उसने कोविड-19 में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले चिकित्सकों को 'पीएमजीकेवाई' के तहत बीमा का हकदार बताया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह कोरोना से जान गंवाने वाले अन्य सभी वर्गों के कार्मिकों को भी इस पैकेज में शामिल कर उन्हें न्याय दे। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा कि उच्चतम न्यायालय का कोविड के दौरान सेवा देते हुए जान गंवाने वाले निजी चिकित्सकों को केंद्र की बीमा योजना के तहत 50 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्णय स्वागतयोग्य है।

उन्होंने कहा, राजस्थान में हमारी (तत्कालीन) कांग्रेस सरकार ने 'कोरोना वॉरियर्स' के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए न केवल डॉक्टर, बल्कि पुलिस, सरकारी कर्मियों, संविदाकर्मियों, पत्रकारों, सफाई कर्मचारियों व राशन डीलरों तक को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया था जिनकी कोविड में सेवा करते हुए जान चली गई। पूर्व मुख्यमंत्री क अनुसार न्यायालय के इस फैसले ने केन्द्र सरकार को भी अपनी योजना पर पुनर्विचार करने का एक अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से आग्रह है कि वह भी राजस्थान की तर्ज पर योजना का दायरा बढ़ाए और कोविड में जान गंवाने वाले अन्य सभी वर्गों के कार्मिकों को भी इस पैकेज में शामिल कर उन्हें न्याय दे। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान कर्तव्य निभाते हुए जान गंवाने वाले चिकित्सकों के परिवार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) के तहत 50 लाख रुपये के बीमा कवरेज के हकदार हैं। न्यायालय ने बंबई उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें यह कहा गया था कि निजी चिकित्सक के परिवार सरकार की बीमा योजना के तहत लाभ के हकदार नहीं हैं।

राजस्थान लिख रहा तकनीकी प्रगति का नया अध्याय : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नवाचार की शुरुआत जिज्ञासा से ही होती है और तेज गति से बदलती दुनिया में नवाचार ही हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे समाज के विकास का सच्चा इंजन है। उन्होंने कहा कि युवाओं के आगे बढ़ने से ही देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। यह सुखद है कि आज राजस्थान के युवा तकनीक में नाम कमा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि युवा नवाचार के क्षेत्र में आगे आएं, सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। हम सब मिलकर राजस्थान को तकनीक और नवाचारों के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'नवाचार दिवस-स्टार्टअप कॉन्क्लेव' समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हमारी रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की क्षमता का उत्सव मनाने का दिन है। यह कार्यक्रम हमारे विचारों, रचनात्मकता और डिजिटल तकनीक में तेजी से आगे बढ़ते राजस्थान की गौरवशाली यात्रा का उत्सव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आईटी क्षेत्र में की गई पहलों, डिजिटल गवर्नेंस से संबंधित सुधारों और हर जिले में नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता से आज राजस्थान तकनीकी प्रगति का नया अध्याय लिख रहा है। उन्होंने कहा कि आईस्टार्ट राजस्थान के माध्यम से अब तक 7 हजार 200 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें एक हजार करोड़ से अधिक का निवेश आया है। इनमें 42 हजार 500 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। ये स्टार्टअप न केवल उभरते उद्योगों को प्रोत्साहित करेंगे, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे।

शर्मा ने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने में महिलाएं बढ़ चढ़कर आगे आ रही हैं। आईस्टार्ट पर पंजीकृत होने वाले स्टार्टअप में से 2 हजार 600 से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएं तथा 288 स्टार्टअप का नेतृत्व हमारे युवा विद्यार्थी कर रहे हैं। आईस्टार्ट पर पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 1 लाख 16 हजार से ऊपर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सफल स्टार्टअप नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही राजस्थान के युवाओं को बड़ी संभावनाओं वाले क्षेत्रों में ग्लोबल लीडर बनने में मददगार साबित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 2025-26 के बजट में राजस्थान डिजिफेस्ट के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है तथा टाई ग्लोबल समिट के सहयोग से जनवरी 2026 में जयपुर में इस डिजिफेस्ट का आयोजन किया जाएगा। यह मंच नवाचारों से जुड़ी हमारी युवा शक्ति को तकनीक, उद्यमिता और वैश्विक गठजोड़ के असीमित अवसर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि इस इनोवेशन डे से आगामी राजस्थान डिजिफेस्ट 2026 के लिए एक सशक्त मंच तैयार हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजस्थान डिजिफेस्ट भारत के सबसे बड़े नवाचार सम्मेलनों में से एक होगा। इसमें 10 हजार से अधिक प्रतिभागी, 500 से अधिक निवेशक, 300 प्रदर्शक, 200 वक्ता, 100 सत्र और 100 स्टार्टअप पिच शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन स्टार्टअप और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल क्षेत्र में हो रहे नए बदलावों से परिचित करवाने के साथ ही ग्लोबल मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त करने और दुनिया भर के बड़े उद्योगपतियों और निवेशकों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

शर्मा ने कहा कि हमने स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने, इनक्यूबेशन सेंटर्स स्थापित करने और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां और कार्यक्रम शुरू किए हैं। नई तकनीक में अवसर सृजित करने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलरेटर स्थापित कर रहे हैं। एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी के तहत हमनें एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। स्टार्टअप फाउंडर्स और युवाओं के कौशल संवर्धन के लिए लर्न, अर्न एंड प्रोग्रेस (लीप) प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं।

आमजन से किए वादों में से 70 प्रतिशत कार्य 2 वर्षों में पूरे किए : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के सुशासन, विकास और विश्वास के दो वर्षों ने प्रदेश की दिशा और दशा बदलने की ठोस शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि हमने आमजन से जो काम पांच साल में पूरे करने का वादा किया था, उनमें से 70 प्रतिशत कार्य दो वर्ष में ही कर चुके हैं। दो वर्षों की बजट घोषणाओं में से 73 प्रतिशत घोषणाएं या तो पूर्ण हो चुकी है या प्रगतिरत हैं। शर्मा शुक्रवार को ओ.टी.एस के भगवत सिंह मेहता सभागार में राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल पर प्रेस ब्रीफिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश के बेस्ट परफॉर्मर स्टेट की श्रेणी में पहुंच गया है। प्रदेश 11 राष्ट्रीय योजनाओं में प्रथम स्थान, 5 योजनाओं में द्वितीय स्थान और 9 योजनाओं में तृतीय स्थान पर है। यह हमारी सरकार की प्रतिबद्धता, मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार ने ईआरसीपी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना को अटकाए रखा। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राम जल सेतु लिंक परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए 26 हजार करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि चूरू, झुंझुनूं एवं सीकर को यमुना जल उपलब्ध करवाने की परियोजना की डीपीआर का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन योजना प्रारंभ की, लेकिन गत सरकार के समय हर स्तर पर अनियमितताओं ने गांव-ढाणी के गरीब तक साफ पानी पहुंचने में बड़ी बाधा खड़ी की। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता का हक जिन्होंने भी खाया है, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि दो वर्षों में जेजेएम के तहत 10 हजार 482 करोड़ रुपये व्यय कर 13 लाख 59 हजार ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया है। 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' के तहत 14 हजार से अधिक ग्राउंड वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाए जा चुके हैं। जल संचय जन भागीदारी के तहत 3 लाख 64 हजार 968 जल संरक्षण कार्य पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 647 करोड़ रुपये से फिरोजपुर फीडर का पुनर्निर्माण और आई.जी.एन.पी. की नहरों के जीर्णोद्धार एवं पक्के खालों के निर्माण के लिए 3400 करोड़ रुपये का बजट दिया है।

राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता 6 हजार 363 मेगावाट बढ़कर 30 हजार 525 मेगावाट पर पहुंच गई है। 42 हजार 438 मेगावाट क्षमता विकसित करने के लिए केंद्रीय उपक्रमों के साथ 1 लाख 93 हजार करोड़ रुपये के निवेश संयुक्त उद्यम के लिए एमओयू किए गए हैं और 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये निवेश की जॉइंट वेंचर कंपनी गठित हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्षों में 27 हजार 238 करोड़ रुपये व्यय कर 39 हजार 891 किलोमीटर सड़कों का विकास किया है। ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 8 हजार 557 किलोमीटर लंबाई में मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण किया गया है, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 3 हजार 139 किलोमीटर सड़कों का उन्नयन, सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 2 हजार 750 किलोमीटर लंबाई के 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए डीपीआर कार्य तेजी से जारी है।

पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई भागाराम 1 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

ब्यावर। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर पाली द्वितीय इकाई ने कार्रवाई करते हुए पिपलिया कला पुलिस चौकी (थाना रायपुर, जिला ब्यावर) के चौकी प्रभारी एएसआई भागाराम को 1,00,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के अनुसार आरोपी ने परिवादी से 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी और 1 लाख 21 हजार रुपये पर सौदा तय किया था। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि परिवादी के पिता के खिलाफ रायपुर थाने में दर्ज प्रकरण में एफआर लगाने की एवज में एएसआई भागाराम रिश्वत मांगकर परेशान कर रहा है। शिकायत के बाद एसीबी रेंज जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस भूवन भूषण यादव के सुपरविजन में, पाली द्वितीय के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींव सिंह एवं उनकी टीम ने रिश्वत मांग सत्यापन करवाया। इसके बाद 12 दिसम्बर 2025 को ट्रैप कार्रवाई करते हुए एएसआई भागाराम को 1 लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ और आगे की कार्रवाई जारी है। एसीबी इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच करेगी।

इथेनॉल कारखाने का विरोध जारी, प्रशासन की आंदोलनकारियों से बातचीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में निर्माणाधीन इथेनॉल कारखाने के खिलाफ किसानों का विरोध प्रर्दशन शुक्रवार को चौथे दिन भी जारी रहा। प्रशासन ने मामले का समाधान निकालने के लिए प्रदर्शनकारी नेताओं से बातचीत की है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में इंटरनेट सेवा बंद है और पुलिस ने बुधवार को तोड़फोड़ के सिलसिले में अब तक 107 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 40 लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। प्रदर्शनकारियों की कोर कमेटी की बैठक शुक्रवार को टिब्बी गांव के गुरुद्वारे में होनी है। इस गुरुद्वारे में बुधवार को पुलिस से झड़प के बाद से ही सैकड़ों गांव वालों ने शरण ले रखी है। हनुमानगढ़ के जिला कलेक्टर खुशाल यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आंदोलनकारियों से बातचीत चल रही है और हालात फिलहाल नियंत्रण में हैं।

उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगें रखी हैं, जिसमें आंदोलनाकारियों को कोई सजा देने वाली

कार्रवाई न करना भी शामिल है। हम मांगों पर गौर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित इथेनॉल संयंत्र के पास पर्यावरणीय मंजूरी नहीं होने तथा उसे सिंचित भूमि दिए जाने जैसे मुद्दों की जांच की जाएगी।

इथेनॉल फैक्ट्री हटाओ संघर्ष समिति के नेता रवजोत सिंह ने कहा कि आंदोलन 16 महीने से शांतिपूर्ण चल रहा था लेकिन अभी प्रशासन ने इसे दबाने की कोशिश तो यह और तेज हो गया। सिंह ने मीडिया से कहा, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने हमारी आवाज को आला अधिकारियों तक जाने से रोका, इंटरनेट बंद कर दिया और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया।' उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संयंत्र को हटाए जाने तक आंदोलन जारी रहेगा। आसपास के कई गांववाले अपने घरों को ताला लगागर रिश्तेदारों के घर चले गए हैं।

ऑल इंडिया किसान सभा के जिला महासचिव मंगेज चौधरी ने आरोप लगाया, पुलिस के हथियार जंग लगे हुए थे, नहीं तो वे सैकड़ों लोगों को मार देते। उन्होंने ऐलान किया कि किसान 17 दिसंबर को जिला कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे। वहीं सादुलशहर से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के विधायक गुरवीर सिंह बराड़ ने बृहस्पतिवार रात किसानों से मुलाकात की। हालांकि राज्य के कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने आरोप लगाया कि इस आंदोलन के दौरान बुधवार को हुई हिंसा प्रायोजित थी।

पटेल ने कहा, यह किसानों का आंदोलन नहीं था। राजस्थान के बाहर से आए करीब एक हजार लोगों ने हिंसा की। सरकार बातचीत के लिए तैयार है। विधिसम्मत मांगें मान ली जाएंगी, लेकिन कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। रवजोत सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रशासन नाकाम रहा और कारखाने इलाके में आग प्रदर्शनकारियों के वहां पहुंचने से पहले ही लग गई थी।

पुलिस का कहना है कि बाहरी लोगों ने अशांति भड़काई। अतिरिक्त महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) वीके सिंह ने कहा, बुधवार की हिंसक घटना पूरी तरह से अवांछित थी। कुछ बाहरी तत्वों ने स्थानीय लोगों को उकसाया जिससे यह घटना हुई।

किसानों का यह भी आरोप है कि प्रस्तावित संयंत्र के लिए जमीन उपजाऊ खेतों को गलत तरीके से बंजर बताकर ली गई। एक स्थानीय किसान गुरपाल सिंह ने मीडिया से कहा कि कारखाने के इलाके वाली जमीन बहुत उपजाऊ है जहां सबसे अच्छा बासमती चावल पैदा होता है और भूमिगत जल 40-50 फुट पर ही मौजूद है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संयंत्र से होने वाले प्रदूषण से इसके आसपास की 70 बीघा ज़मीन बर्बाद हो जाएगी। एक और किसान बलराम सहारण ने आरोप लगाया कि कंपनी को तबादला होने से पहले जमीन का मालिकाना हक दो बार बदला गया था। उन्होंने आगे कहा, जमीन के इस्तेमाल का असली मकसद हमसे छिपाया गया। उन्होंने हस्तांतरण पर जोर देने से पहले इसे दो साल के लिए खेती के लिए लीज पर भी दे दिया। एक आंदोलनकारी नेता मान सिंह ने कहा कि प्रस्तावित इथेनॉल कारखाने को रोजाना 60 लाख लीटर ताजा पानी की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, एक लीटर इथेनॉल बनाने में बड़ी मात्रा में पीने लायक पानी खर्च होता है।

आयुष आधारित नवाचारों को दुनिया भर के प्रतिनिधियों के सामने रखेगा एनआईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) आयुष आधारित नवाचारों और वैज्ञानिक शोध को नई दिल्ली में होने वाले एक सम्मेलन में दुनिया भर के प्रतिनिधियों के सामने प्रस्तुत करेगा। संस्थान ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से पारंपरिक दवाओं पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 दिसंबर से नई दिल्ली में होगा। इसमें जयपुर स्थित एनआईए की ओर से आयुष आधारित नवाचारों और वैज्ञानिक शोध को प्रस्तुत किया जाएगा। संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा कि सम्मेलन में 113 से ज़्यादा देश हिस्सा लेंगे।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में दुनिया भर से नेता, नीति निर्माता, शोथार्थी, डॉक्टर और उद्योग जगत की हस्तियां शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि एनआईए की विशेष टीम इसमें संस्थान में निर्मित उत्पाद प्रदर्शित करेगी, उनके वैज्ञानिक आधार के बारे में बताएगी और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से संवाद करेगी।' सम्मेलन का आयोजन डब्ल्यूएचओ और आयुष मंत्रालय मिलकर कर रहे हैं। यह 17 से 19 दिसंबर तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में होगा। अधिकारियों ने बताया कि आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव इसका उद्घाटन करेंगे।

करूर भगदड़ : न्यायालय का जांच आयोग को निलंबित करने के आदेश में संशोधन से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय आयोग और एसआईटी को निलंबित करने संबंधी अपने आदेश में शुक्रवार को संशोधन करने से इनकार कर दिया जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ तमिलनाडु सरकार की ओर से इस संबंध में दाखिल याचिका को खारिज करते हुए कहा, हम चाहते हैं कि सब कुछ निष्पक्ष और तटस्थ हो।''

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा दायर रिपोर्ट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ''उच्च न्यायालय में कुछ गड़बड़ चल रही है। उच्च न्यायालय में जो हो रहा है वह सही नहीं है।'' शीर्ष अदालत ने 13 अक्टूबर को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करूर भगदड़ की जांच कराने का आदेश दिया। भगदड़ की घटना 27 सितंबर को अभिनेता-राजनेता विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की रैली के दौरान हुई थी। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की थी कि इस घटना ने राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया है और निष्पक्ष और तटस्थ जांच की हकदार है।

टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच का अनुरोध करते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच का आदेश दिया और इसकी निगरानी के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया। इसी के साथ विशेष जांच टीम (एसआईटी) और एक सदस्यीय जांच आयोग की

नियुक्ति के निर्देशों को निलंबित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एन सेंथिलकुमार की भी आलोचना की थी, जिन्होंने घटना से संबंधित याचिकाओं पर विचार किया, एसआईटी जांच का आदेश दिया और टीवीके और उसके सदस्यों को मामले में पक्षकार बनाए बिना उनके खिलाफ टिप्पणियां कीं।

न्यायालय ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन ने कहा कि राज्य की ओर से गठित आयोग सीबीआई जांच में हस्तक्षेप नहीं करेगा और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सिफारिशें देने तक ही सीमित रहेगा। पीठ ने विल्सन को आयोग की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना का अवलोकर करने का निर्देश देते हुए कहा, ''हम चाहते हैं कि सब कुछ निष्पक्ष और तटस्थ हो।''

पीठ ने याचिका पर कोई नोटिस जारी नहीं किया और न ही 13 अक्टूबर के अपने अंतरिम आदेश को रद्द किया। न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने कहा कि ''उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल ने एक रिपोर्ट दाखिल की है और टिप्पणी की है, उच्च न्यायालय में कुछ गड़बड़ चल रही है। उच्च न्यायालय में जो हो रहा है वह सही नहीं है। हमने रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट देखी है। हम इस पर कार्रवाई करेंगे।'' पीठ ने कहा कि उसने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा भेजी गई उस रिपोर्ट का अवलोकन किया है जिसमें बताया गया है कि जनसभाओं के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अनुरोध करने वाली एक रिट याचिका को आपराधिक रिट याचिका के रूप में कैसे पंजीकृत किया गया था।

विल्सन और राज्य की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट की एक प्रति मुहैया कराने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे इस संबंध में जवाब दाखिल करना चाहेंगे। उच्चतम न्यायालय ने करूर भगदड़ मामले में केके रमेश द्वारा दायर एक नई याचिका पर नोटिस जारी किया और पक्षों को अपना पक्ष रखने के लिए कहा तथा मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। शीर्ष अदालत ने 30 अक्टूबर को करूर भगदड़ के एक पीड़ित के परिवार को सीबीआई से संपर्क करने और अधिकारियों द्वारा उन्हें धमकाने के अपने आरोप को सामने रखने के लिए कहा था।

अनुराग ठाकुर ने 'कार्तिगई दीपम' मामले में तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधा, लोकसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को लोकसभा में तमिलनाडु के कार्तिगई दीपम' का विषय उठाया और राज्य सरकार पर मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के आदेश की अवमानना करने का आरोप लगाया, जिस पर द्रमुक सदस्यों ने सख्त विरोध दर्ज कराया और हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से लोकसभा सदस्य ठाकुर ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया और दावा किया कि द्रमुक सरकार में तमिलनाडु सनातन के प्रति विरोध का प्रतीक बन गया है।

उन्होंने कहा, ''मदुरै पीठ ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई है और कहा कि उसके आदेश की उपेक्षा की जा रही है।'' भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि हिंदुओं पर लाठीचार्ज किया गया और अदालत के आदेश के बावजूद दीप प्रज्वलित नहीं करने दिया गया।

ठाकुर ने कहा, ''वहां आदेश की अहवेलना की गई है और यह अदालत की अवमानना है।'' इस पर द्रमुक सदस्यों ने विरोध दर्ज कराया और आसन के निकट पहुंच गए। सदन में हंगामे के कारण पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने दोपहर एक बजे सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। तमिलनाडु सरकार ने एक दरगाह के पास स्थित मंदिर में कार्तिगई दीपम' प्रज्वलित करने की अनुमति देने संबंधी मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है।

उच्चतम न्यायालय ने तिरुपरमकुंद्रम स्थित एक शिला दीप स्तंभ दीपथून' में अरुलमिघु सुब्रमणिय स्वामी मंदिर के श्रद्धालुओं को परंपरागत कार्तिगई दीपम' प्रज्वलित करने की अनुमति देने संबंधी मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए पांच दिसंबर को सहमति जताई थी। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने चार दिसंबर को मदुरै के जिला कलेक्टर और शहर के पुलिस आयुक्त द्वारा दायर एक अंतर-न्यायालयी अपील खारिज कर दी थी और एकल न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें श्रद्धालुओं को दीपथून में 'कार्तिगई दीपम' प्रज्वलित करने की अनुमति दी गई थी। जब आदेश का क्रियान्वयन नहीं हुआ तो एकल न्यायाधीश ने तीन दिसंबर को एक और आदेश पारित कर श्रद्धालुओं को स्वयं दीप प्रज्वलित करने की अनुमति दे दी तथा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हफ्ते की शुरूआत में, द्रमुक, कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने उक्त आदेश पारित करने वाले न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपा था। उनका आरोप है कि न्यायाधीश का आचरण न्यायपालिका की निष्पक्षता, पारदर्शिता और धर्मनिरपेक्ष कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

तमिलनाडु में जातिगत जनगणना की मांग तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक एस रामदास ने शुक्रवार को तमिलनाडु में जातिगत जनगणना की मांग की ताकि जनसंख्या के आधार पर सभी 324 समुदायों में आरक्षण लाभों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जा सके। रामदास ने कहा, तमिलनाडु में समुदायों की प्रगति का एकमात्र रास्ता उनकी आबादी की गणना है। केवल इसी के आधार पर उनकी शिक्षा, रोजगार, आर्थिक उन्नति और अन्य प्रकार की प्रगति संभव हो सकती है।

जिला अधिकारियों के कार्यालयों के सामने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पीएमके के संस्थापक ने मौजूदा व्यवस्था की आलोचना की। उन्होंने कहा आरक्षण के लाभ समानुपातिक रूप से वितरित नहीं किए जा रहे हैं, कुछ समुदायों को बेहद कम हिस्सा मिल रहा है जबकि अन्य को असमान रूप से लाभ मिल रहा है।

यह विरोध प्रदर्शन मूल रूप से पांच दिसंबर को निर्धारित था लेकिन जातियों के बीच व्यापक एकता सुनिश्चित करने के लिए इसे शुक्रवार तक स्थगित कर दिया गया।

रामदास ने कहा कि उन्होंने फोर्ट में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से मुलाकात की और 35 मिनट तक उचित आरक्षण आवंटन पर विस्तृत तर्क रखे। उन्होंने 324 समुदायों को छह समूहों में विभाजित करने और राज्य के शिक्षकों व सरकारी कर्मचारियों की सहायता से 10-15 दिनों में जनगणना पूरी करने का प्रस्ताव भी दिया। उन्होंने कहा, हम जनता को उसका हक दे रहे हैं। मुझे समझ नहीं आता कि मुख्यमंत्री ऐसे काम में क्यों हिचकिचा रहे हैं, जिससे सभी को लाभ होगा।

पीएमके नेता ने स्टालिन से आगामी चुनावों और दिसंबर 2025 के अंत से पहले जातिगत जनगणना संबंधी आदेश जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश और केरल का अध्ययन दौरा कराने का सुझाव भी दिया, जहां एक समुदाय को 14-16 प्रतिशत आरक्षण मिलने से उस वर्ग से चार मुख्यमंत्री बने तथा रोजगार में भी उसे उल्लेखनीय सफलता मिली। डॉ. रामदास ने जोर देकर कहा कि सामाजिक न्याय की जन्मभूमि कहे जाने वाले तमिलनाडु को समान आरक्षण में एक उदाहरण पेश करना चाहिए। इस बीच, पीएमके में आंतरिक गुटबाजी के बीच यह मांग और तेज हो गई है। रामदास गुट उनके बेटे डॉ. अंबुमणि रामदास द्वारा 17 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले प्रदर्शन से अलग स्वतंत्र विरोध प्रदर्शन कर रहा है। दोनों ही गुट राज्य की 69 प्रतिशत आरक्षण नीति की रक्षा के लिए जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।

तमिलनाडु सरकार का अल्पसंख्यकों को खुश करने का इरादा, लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं : भाजपा

चेन्नई। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नयनार नागेंद्रन ने कहा है कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है कि राज्य सरकार अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए न्यायपालिका के अधिकार को चुनौती देती है, लेकिन केवल तभी फैसले स्वीकार करती है, जब वे उसके पक्ष में सुनाए जाते हैं। नागेंद्रन ने सत्तारूढ़ द्रमुक और उसके सहयोगियों पर मद्रास उच्च न्यायालय की पीठ के न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन को पद से हटाए जाने का प्रस्ताव लाने के लिए हमला बोला, जिन्होंने मदुरै में तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ी पर एक स्तंभ के ऊपर कार्तिगई दीपम उत्सव पर दीपक जलाने की अनुमति दी थी।

भाजपा नेता ने कहा, ''तिरुप्परनकुंड्रम दीप प्रज्वलन मामले में फैसले को स्वीकार करने के बजाय न्यायाधीश को निशाना बनाने का द्रमुक का रुख केवल यह दर्शाता है कि सत्ताधारी पार्टी अल्पसंख्यकों को खुश करना चाहती है, न कि जनता के बीच शांति सुनिश्चित करने में रुचि रखती है।'' बृहस्पतिवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए नागेंद्रन ने कहा, ''लोकतंत्र के हित में न्यायपालिका और राज्य प्रशासन के बीच टकराव से बचना चाहिए। अदालती फैसलों का पालन किया जाना चाहिए।'' लगभग 107 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को एक नोटिस लिखकर न्यायमूर्ति स्वामीनाथन को हटाने की मांग की है। नागेंद्रन ने दावा किया, ''इससे एक गलत मिसाल कायम होगी।''

आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति ने पुलिस दल पर फेंका पेट्रोल बम, गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई में पुलिस दल पर पेट्रोल बम फेंककर भागने की कोशिश कर रहे आपराधिक पृष्ठभूमि के एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किये गए व्यक्ति की पहचान पुडुचेरी के विक्की के रूप में हुई है, जो आपराधिक पृष्ठभूमि का है।

पुलिस के अनुसार, विक्की उस दस सदस्यीय गिरोह का सदस्य है, जिसने 10 दिसंबर को एनोर निवासी एवं आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सत्या (23) की हत्या कर दी थी। उसने बताया कि सत्या की हत्या के मामले में कथित तौर पर शामिल आठ लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और विक्की को पकड़ने के लिए तलाश अभियान शुरू कर दिया था।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध के तिरुवोत्तियुर में छिपे होने की सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम शुक्रवार तड़के वहां पहुंची और उसे पकड़ने का प्रयास किया। जब विक्की ने खुद को पुलिस से घिरा हुआ पाया तो उसने पुलिस पर कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंका और भागने की कोशिश की। अधिकारी ने बताया, उसके पैर पर गोली मारी गई और उसे पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति और घायल उप निरीक्षक को इलाज के लिए यहां सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने पाटिल के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया। पारिवार के सदस्यों के अनुसार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र स्थित उनके गृह नगर लातूर में निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे और कई दिनों से बीमार थे।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने आधिकारिक 'एक्स हैंडल' पर लिखा, ...वह एक ऐसे मित्र थे, जिन्होंने मुझे अपार स्नेह और सम्मान दिया। स्टालिन ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में 50 से अधिक वर्षों के अनुभव वाले पाटिल ने राज्यपाल सहित विभिन्न भूमिकाओं में जिम्मेदारी और ''दक्षता के साथ'' सेवाएं दीं। मुख्यमंत्री ने लिखा, ''मैं उनके शोक संतप्त परिजनों, मित्रों और कांग्रेस पार्टी के असंख्य शुभचिंतकों के प्रति संवेदनाएं और सहानुभूति प्रकट करता हूं।''

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने ऋण दरों में की कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में हुई एमपीसी में रेपो दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए, इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आइओबी) ने 15 दिसंबर से अपनी ऋण दरों में कमी की घोषणा की है।

बैंक ने अपनी बाह्य बेंचमार्क ऋण दर (ईबीएलआर) - विशेष रूप से रेपो लिंक्ड ऋण दर (आरएलएलआर) - में 25 बेसिस अंकों की कमी करते हुए इसे 8.35% से घटाकर 8.10% कर दिया है, जिससे नीतिगत दर में कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को मिल सके। इसके अतिरिक्त, बैंक की एएलसीओ ने तीन महीने से लेकर तीन साल तक की सभी अवधियों के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में 5 बेसिस अंकों की कमी को मंजूरी दे दी है। इन संशोधनों से उन मौजूदा और नए उधारकर्ताओं की समतुल्य मासिक किस्तों (ईएमआई) में कमी आएगी जिनके ऋण इन बेंचमार्क से जुड़े हैं। आवास, वाहन और वैयक्तिक ऋण के इच्छुक खुदरा ग्राहकों को बढ़ी हुई वहनीयता का लाभ मिलेगा। लघु एवं मध्यम उद्यमों व कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं को भी ऋण की लागत में कमी का अनुभव होगा, जिससे कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने और व्यवसाय के विकास में सहायता मिलेगी।

केरल की अदालत ने शबरिमला सोना गायब मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष की जमानत याचिका खारिज की

कोल्लम/भाषा। केरल की एक अदालत ने शुक्रवार को शबरिमला के भगवान अय्यप्पा मंदिर के गर्भगृह के द्वार की चौखट से सोना गायब होने के मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए. पद्मकुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोल्लम सतर्कता अदालत ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पूर्व विधायक पद्मकुमार को राहत देने से इनकार कर दिया।

लोक अभियोजक सिजू राजन ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध किया, क्योंकि उनके खिलाफ अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। अधिवक्ता राजन ने कहा कि त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ने अधिक आयु और स्वास्थ्य समस्याओं समेत विभिन्न आधारों पर जमानत मांगी थी। पद्मकुमार को इस महीने की शुरुआत में पुलिस ने शबरीमला के द्वारपालक की मूर्तियों से सोना गायब होने के मामले में आरोपी बनाया था। इस बीच, द्वारपालक की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) द्वार के फ्रेम से सोना गायब होने के मामलों में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पी. ने नियमित जमानत के लिए याचिका दायर की है। अभियोजक ने यह जानकारी दी। अभियोजक सिजू राजन ने बताया कि उन्नीकृष्णन ने जमानत इस आधार पर मांगी है कि बिना आरोप पत्र दाखिल किए उन्हें हिरासत में रखने की वैधानिक अवधि पूरी हो चुकी है।

कमल हासन, मोहनलाल और सूर्या ने रजनीकांत के 75वें जन्मदिन पर बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कमल हासन, मोहनलाल और सूर्या सहित फिल्म जगत की हस्तियों ने शुक्रवार को सुपरस्टार रजनीकांत को उनके 75वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कलाकारों की कई पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान की प्रशंसा की। रजनीकांत ने अगस्त में सिनेमा जगत में 50 साल पूरे कर लिए। उन्होंने 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई दिवंगत फिल्म निर्माता के. बालाचंदर की तमिल फिल्म अपूर्व रागंगल से अपने करियर की शुरुआत की थी।

रजनीकांत के लंबे समय के दोस्त, सहकर्मी और फिल्म अपूर्व रागंगल में उनके सह-कलाकार रहे हासन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अभिनेता के साथ एक तस्वीर साझा की और जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने पोस्ट किया, एक असाधारण जीवन के 75 वर्ष सिनेमा के क्षेत्र में 50 वर्ष। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे दोस्त रजनीकांत। मोहनलाल ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिनेमा में रजनीकांत का 50 साल का सफर प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने पोस्ट किया, अपने मूल्यों, शक्ति और असाधारण भावना से पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद! ईश्वर आपको शांति, अच्छा स्वास्थ्य और असीम आनंद दे!

निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार ने अभिनेता की यात्रा को एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में वर्णित किया। वह 2023 में आई फिल्म जेलर की सफलता के बाद वर्तमान में रजनीकांत के साथ जेलर 2 पर काम कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, 75 वर्ष की आयु में भी आपकी यात्रा लाखों लोगों के लिए मार्गदर्शक सितारे की तरह चमकती रहेगी। पर्दे पर आपका करिश्मा और पर्दे के बाहर आपकी बुद्धिमत्ता अतुलनीय है। सुपरस्टार रजनीकांत को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! रजनीकांत की बेटी सौंदर्या ने एक प्यारी सी तस्वीर के साथ एक भावुक संदेश साझा किया।

उन्होंने लिखा, मैं रजनीकांत हूं और मुझे अपनी विरासत पर बेहद गर्व है। और यह निस्संदेह मेरे जीवन की सबसे पसंदीदा तस्वीर है, पापा... आप मेरी दुनिया हैं, मेरी जिंदगी हैं, मेरा दिल हैं, मेरा सौभाग्य है कि मैं आपकी बेटी हूं। प्यारे पापा !!!! बेताज बादशाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं! मेरे अप्पा! कांतारा के स्टार ऋषभ शेट्टी ने पोस्ट किया, हमारे इकलौते थलाइवा, सुपरस्टार रजनीकांत सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! असाधारण जीवन के 75 वर्ष और सिनेमाई सफर के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। सदा प्रेरणास्रोत, स्टाइल बादशाह! कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार ने कहा कि अभिनेता का प्रभाव आज भी कायम है। उन्होंने कन्नड़ में लिखा, कल, आज, हमेशा ....आप प्रेरणास्रोत हैं। अभिनेता सूर्या ने रजनीकांत को शुभमकामनाएं देते हुए कहा, विनम्रता से भरा जीवन। ये मुकाम उन्होंने अपनी मेहनत से हासिल किया है, उन्हें मिला नहीं। रजनीकांत सर को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

रजनीकांत के प्रशंसकों के लिए दोहरी खुशी, 75वें जन्मदिन पर अभिनेता के सिनेमा जगत में 50 साल पूरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता रजनीकांत के प्रशंसकों के लिए शुक्रवार का दिन दोहरी खुशी का है। इस दिन अभिनेता अपना 75 वां जन्मदिन मना रहे हैं और संयोगवश यह उनके सिनेमा जगत में उनके 50 साल पूरे होने का भी अवसर है। यह दिन अभिनेता के प्रशंसकों और फिल्म उद्योग, दोनों के लिए एक उत्सव में बदल गया है। इस अवसर पर उनकी विशेष फिल्मों को फिर से प्रदर्शित करने के साथ संगीत कार्यक्रम और पार्टियों का आयोजन कर उनके 50 वर्षों के सिनेमाई सफर का जश्न मनाया गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन समेत कई राजनीतिक नेताओं ने रजनीकांत को 'एक्स' पर अपनी शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, रजनीकांत, एक ऐसा आकर्षण जो उम्र को मात देता है।

स्टालिन ने कहा, ईश्वर करे कि वे आगे भी कई सफल फिल्में देते रहें और जनता के प्यार और

समर्थन से उनकी जीत का झंडा हमेशा ऊंचा लहराता रहे। विपक्षी नेता और अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने अभिनेता को तमिल सिनेमा का अविचल शासक बताया। दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी विश्वासपात्र वी के शशिकला ने भी अपने प्रिय भाई रजनीकांत को 'एक्स' पर शुभकामनाएं दीं।

इस दोहरी उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए शुक्रवार को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पदयप्पा' की गुणवत्ता में सुधारकर 4के संस्करण में फिर से रिलीज हुई।

मुख्यमंत्री नायडू ने अभिनेता रजनीकांत को जन्मदिन की बधाई दी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को दिग्गज अभिनेता रजनीकांत को उनके 76वें जन्मदिन की बधाई दीं। नायडू ने एक्स' पर अभिनेता के साथ की एक तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट में कहा, ''मेरे प्रिय मित्र और दिग्गज अभिनेता रजनीकांत को जन्मदिन की बधाई। कुछ चुनिंदा लोग ही हैं जो पर्दे पर और पर्दे से बाहर, दोनों जगह नायक की तरह अपनी चमक बिखेरते हैं और वे उनमें से सबसे महान हैं। उनके दीर्घायु और खुशहाल जीवन की कामना करता हूं। उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई।'' उन्होंने रजनीकांत के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की कामना भी की। रजनीकांत शुक्रवार को 75 साल के हो गए।

க.रा.बी.नि
E.S.I.C
தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம்
(தொழிலாளர் மற்றும் வேலை வாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt of India)
सत्यमेव जयते
மண்டல அலுவலகம் / क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை-600 034.
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै-600 034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai-600 034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in / www.rotamilnadu.esic.gov.in

दिनांक: 13.12.2025

स्प्री 2025 क्या है?
स्प्री 2025 क.रा.बी.निगम द्वारा एक-बार की विशेष पहल है जो गैर-पंजीकृत नियोक्ताओं और उन लोगों को स्व-पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करती है जिन्होंने क.रा.बी.निगम के साथ सभी पात्र कर्मचारियों को पंजीकृत नहीं किया है।
अवधि: 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025
उद्देश्य: पिछली अवधि के लिए बिना किसी अंशदान, दंड और कानूनी कार्रवाई के क.रा.बी. अधिनियम के तहत सामाजिक सुरक्षा व्याप्ति का विस्तार करना।
कौन लाभान्वित हो सकता है?
नियोक्ता:
- कारखानों या प्रतिष्ठानों (दुकानों, होटलों और रेस्तरां, सिनेमा हॉल, सड़क परिवहन प्रतिष्ठानों, समाचार पत्र प्रतिष्ठानों, निजी चिकित्सा संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों और नगर निगमों के आकस्मिक कर्मचारियों सहित) जिनमें क.रा.बी.निगम लागू क्षेत्रों में 10 या अधिक व्यक्ति कार्यरत हैं।
- जिन्होंने अभी तक सभी पात्र कर्मचारियों को पंजीकृत नहीं किया है।

पंजीकरण कैसे करें?
वेबसाइट www.esic.gov.in देखें।
अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें :- https://portal.esic.gov.in/ESICInsurance1/ESICInsurancePortal/Employer_Employee_Registration_through_portal.pdf
श्रम सुविधा पोर्टल: https://registration.shramsuvidha.gov.in/user/register
कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एम.सी.ए.) पोर्टल: www.mca.gov.in
नियोक्ताओं के लिए मुख्य लाभ:
परेशानी-मुक्त पंजीकरण प्रक्रिया।
- क.रा.बी. पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल या एम.सी.ए. के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण।
- पूर्व अवधि के अंशदान की कोई मांग नहीं और कोई दंड नहीं।
- पूर्व अवधि के लिए किसी रिकॉर्ड या निरीक्षण की आवश्यकता नहीं
- पूर्व अवधि के लिए कोई कानूनी कार्रवाई नहीं।

कर्मचारीओं के लिए मुख्य लाभ:
- पंजीकरण की तिथि से क.रा.बी. अधिनियम के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा हितलाभ प्राप्त करें।
- चिकित्सा देखभाल- स्वयं और परिवार के लिए प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्तर पर चिकित्सा हितलाभ।
- बीमारी, मातृत्व और रोजगार के दौरान चोट या मृत्यु के लिए नकद लाभ।
- 'वार्ड ऑफ आईपी' योजना के अंतर्गत क.रा.बी निगम चिकित्सा/दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में सीटों का आरक्षण।

व्याप्ति की तारीख
नियोक्ता का कवरेज नियोक्ता द्वारा निर्दिष्ट तारीख से शुरू होगा।
अवसर न चूकें :-
अपनी मानसिक शांति तथा अपने कार्यबल एवं उनके परिवारों के सुरक्षित और संरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने हेतु आज ही पंजीकरण करें।

हस्ता/-
क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी)

सुविचार

जब जब धरती पर धर्म का पतन और अधर्म में वृद्धि होती है, तब उस समय मैं पृथ्वी पर अवतार लेता हूँ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह अभिव्यक्ति नहीं, विषवमन है

मध्य प्रदेश में एक आईएएस अधिकारी द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों के बारे में की गई मर्यादाविहीन टिप्पणी निंदनीय है। इस अधिकारी का दुस्साहस इतना बढ़ गया कि उच्च न्यायालय पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। ऐसी मानसिकता का व्यक्ति प्रशासनिक सेवा में कैसे आ गया? इस शख्स ने जिन शब्दों का प्रयोग किया, वे किसी आईएएस अधिकारी को शोभा नहीं देते। इस पद की गरिमा होती है, जिसे अधिकारी धूमिल कर रहा है। यह अभिव्यक्ति नहीं, विषवमन है। मध्य प्रदेश सरकार ने उक्त अधिकारी को बर्खास्त करने की सिफारिश कर उचित निर्णय लिया है। बेटियां ब्राह्मण परिवार की हों या किसी अन्य की, उनके लिए ऐसी घिनौनी मानसिकता रखने वालों को कानून द्वारा दंडित किया जाना चाहिए। ऐसे लोग समाज में फूट डाल रहे हैं, नफरत के बीज बो रहे हैं। इस अधिकारी ने बेटियों के बारे में जिस कलुषित सोच का प्रदर्शन किया, वह किसी 'स्वस्थ' व्यक्ति की नहीं हो सकती। इसके खिलाफ विस्तृत जांच होनी चाहिए। प्राय: जांच में पुराने कांड भी सामने आ जाते हैं। जब ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती तो ये खुद को सर्वशक्तिमान समझने लगते हैं। इन्हें यह भ्रम होने लगता है कि 'हमारा कुछ नहीं बिगड़ेगा ... हमें सबकुछ बोलने, लिखने का लाइसेंस मिल गया है।' हालांकि जब सरकार सख्ती दिखाती है तो ये खुद को पीड़ित की तरह पेश करने लगते हैं, सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार शुरु कर देते हैं कि 'भारत में मानवाधिकारों का गला घोंटा जा रहा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खतरे में पड़ गई है।' क्या सारे मानवाधिकार उसी समय याद आते हैं? जिस समाज की मान-मर्यादा पर कीचड़ उछाल रहे हैं, उसके कोई अधिकार नहीं हैं?

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में कुछ लोग अपने निहित स्वार्थों के लिए ब्राह्मण समाज के खिलाफ जहर उगलते रहते हैं। जो व्यक्ति जितना ज्यादा जहर उगलता है, वह उतना ही प्रगतिशील समझा जाता है। ब्राह्मण आज से नहीं, सदियों से आसान निशाना रहे हैं। विदेशी आक्रांताओं ने सनातन धर्म को नष्ट करने के लिए पुस्तकालय जलाए थे। तब ब्राह्मण ही थे, जो मुट्ठीभर चावल खाकर पूरा दिन अपने धर्मग्रंथों को कंठस्थ करते थे। अंग्रेजों ने बड़े ही शातिर ढंग से ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया, जिसमें हर समस्या की जड़ में ब्राह्मण को दिखाया। उनका बस चलता तो ब्रिटेन में बर्फबारी की वजह भी ब्राह्मण को बता देते। भारत में पिछले एक हजार साल में सत्ता में कौन रहा है? अगर ज़माना इतनी सदियों बाद भी अपनी समस्याओं का समाधान नहीं कर पाया है तो इसके लिए ब्राह्मण को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? क्या ब्राह्मण उसे सुधार करने से रोक रहा है? देश में कुछ बुद्धिजीवी अजीब दलीलें देते हैं। वे अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी जैसी कई समस्याओं के तार ब्राह्मण से जोड़ देते हैं। क्या ब्राह्मण किसी को स्कूल जाने, काम सीखने और नौकरी करने से मना कर रहा है? एक साजिश के तहत हिंदू समाज को बांटा जा रहा है। कुछ लोग प्रसिद्धि पाने के लिए ब्राह्मण ही नहीं, क्षत्रिय और वैश्य समाज के खिलाफ भी अनर्गल टिप्पणियां करते रहते हैं। एक लेखक ने ऐसी कहानी लिखी थी, जिसे पढ़कर आज भी पाठक सोचता है- 'क्या ठाकुर अपने कुएं से अन्य जातियों को पानी नहीं पीने देते थे?' ऐसे कितने लेखक हैं, जिन्होंने अपनी कहानियों में यह बताने की हिम्मत दिखाई कि ठाकुरों ने सर्वसमाज के लिए हजारों कुओं, तालाबों और बावड़ियों का निर्माण करवाया था? यह कहकर वैश्य समाज को कोसने वालों की कमी नहीं है कि इन्होंने सदैव शोषण किया। कुछ लोगों ने किया होगा। शोषक प्रवृत्ति के लोग किस देश में नहीं हैं? वैश्य समाज ने हजारों धर्मशालाओं, विद्यालयों और चिकित्सालयों का निर्माण करवाया था। इस समाज के कितने ही परिवारों ने स्वतंत्रता संग्राम में अपनी संपत्तियां दान कर दी थीं। उनके लिए कहानियां कौन लिखेगा? हमें जातिगत पूर्वाग्रहों को त्यागकर सबके लिए सम्मान की भावना रखनी चाहिए। किसी भी समाज के लिए गलत टीका-टिप्पणियां करने वालों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। इसी से सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण संभव है।

ट्वीटर टॉक

सरकार के ऐतिहासिक दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज ओटीएस, जयपुर से संपूर्ण राजस्थान के लिए विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये रथ प्रदेशभर में सरकार की प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और विकास के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे।

-भजनलाल शर्मा

अंबेडकर भवन, नई दिल्ली में महान अभिनेता स्व. धर्मेंद्र जी की श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रीमती हेमामालिनी जी व परिवार को सांत्वना प्रदान की। धर्मेंद्र जी अपने असंख्य प्रशंसकों के दिलों में सदैव अमर रहेंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम ने ऋख़कहॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचते हुए देश के लिए पहला ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। इस शानदार प्रदर्शन ने दुनिया के सामने भारतीय हॉकी की नई चमक और नई शक्ति को स्थापित किया है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

परोपकार का आनंद

भारद्वाज के वंश में जन्मे रंतिदेव का नियम था कि भाग्य से उन्हें जो मिलता, उसमें से कुछ दूसरों को दे देते और बचे हुए से अपना और परिवार का पेट पाल लेते। एक बार उन्हें कई दिन तक कुछ खाने-पीने को नहीं मिला। उन्होंने धीरज नहीं खोया। अंत में उन्हें खाना व पानी दोनों चीजें मिली। दूसरों को बांटकर ज्यों ही वह खाने को बैठे एक भूखा ब्राह्मण आ गया। रंतिदेव ने उसे जिमा दिया। बचे हुए भोजन को वे खाने बैठे तो एक और भूखा आदमी आ निकला। रंतिदेव ने उसे भी खाना खिला दिया। उसके बाद जो थोड़-बहुत बचा, उसे वे खाने को हुए कि एक अन्य अतिथि कुछ कुत्तों समेत आ पहुंचा। रंतिदेव के पास जो कुछ बचा था, वह सब उनको खिला दिया। अब उनके पास सिर्फ थोड़ा पानी रह गया था। इतने लोगों को जिमाकर वे खुश हो रहे थे। 'मेरा क्या है, मैं पानी से गुजर कर लूंगा।' यह सोचकर वे जैसे ही पानी पीने को हुए कि एक प्यासा व्यक्ति आ गया, जिसकी जुबान सूख रही थी। उसे देख रंतिदेव ने मन में सोचा, 'हे भगवान, यह बेचारा बिना पानी के मरा जा रहा है। प्रभु मुझे शक्ति दे कि मैं भूखे-प्यासों को कुछ खिलाता-पिलाता रहूं, ताकि उन बेचारों को कुछ सहारा मिल सके।' रंतिदेव के पास जितना पानी बचा था, उसने सारा उस प्यासे को पिला दिया।

सामयिक

भय पैदा करने वाली घटनाएं

अवधेश कुमार

मोबाइल : 98110 27208

इस तस्वीर की हम सबमें से शायद ही किसी ने कल्पना की हो। बाबरी मस्जिद के कहीं नींव डाली जाएगी, उसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे इसकी कल्पना कोई कर भी कैसे सकता था। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद जिले में बेलडांगा से सटे इलाके में भीड़ के सामने प्रतीकात्मक तौर पर फीता काटकर मस्जिद की नींव रख दी। हुमायूं कबीर पश्चिम मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर से विधायक हैं। अचंभे की बात है कि हुमायूं कबीर लंबे समय से सार्वजनिक वक्तव्य दे रहे थे कि वह 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद के निर्माण की शुरुआत करेंगे। इस कारण पश्चिम बंगाल के अंदर और समूचे देश में तनाव और असहजता का वायुमंडल कायम हो रहा था। अलग-अलग मंचों से इसे रोकने की मांग भी की गई। किंतु अंततः हुमायूं कबीर ने बिना किसी रोक-टोक के हजारों मुसलमानों को इकट्ठा किया और पूरा वातावरण ऐसा था कि कोई रोकने जाता तो उसकी शामत आ जाती। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें रोकने की कोई कोशिश नहीं की। केवल तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया। क्या ऐसे व्यक्ति को निलंबित करना ही पर्याप्त था?

कानून और व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्ध कोई भी राज्य इस तरह सांप्रदायिकता भड़काने और तनाव करने की योजना वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करता, हिरासत में लेता या कम से कम उसके घर में नजरबंद करता। इसके साथ ऐसे कार्यक्रम पर रोक भी लगाई जाती। मुर्शिदाबाद का दृश्य इसके विपरीत था। ऐसा लग रहा था जैसे पुलिस उस कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए वहां तैनात है। जब पुलिस प्रशासन को राजनीतिक नेतृत्व से रोकने का कोई आदेश नहीं था तो वह ऐसी ही भूमिका निभाएग? किसी को भी कानूनी रूप से वैध जमीन पर मंदिर या मस्जिद बनाने का अधिकार है। बाबर के नाम से बाबरी मस्जिद बनाना करोड़ हिंदुओं सिखों की भावनाओं को चोट पहुंचाना और जख्मों को कुरेदना है जो हर दृष्टि से अस्वीकार्य है। 1529 में बाबर के सेनापति मीर बांकी द्वारा अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद निर्माण के विरुद्ध वर्षों का संघर्ष अब सबको पता है। अंततः स्वतंत्रता के बाद आंदोलन और फिर आगे न्यायिक संघर्ष से उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद मंदिर निर्माण किया गया। बावजूद देश का एक बड़ा वर्ग मानता है कि बाबर के साथ उसका जुड़ाव है, उससे प्रेरणा मिलती है और इसलिए मस्जिद हमें बनानी है तो यह भारत की एकता -अखंडता- सांप्रदायिक सद्भाव और भविष्य की दृष्टि से डरावना संकेत है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जिस बाबर को उसके मूल स्थान उज्बेकिस्तान में महत्व नहीं मिलता और वहां के कई इतिहासकार उसे उज्बेकी लूटेरा तक बोला जाता है भारतीय मुसलमान स्वयं को उससे जोड़ते हैं। यह अभियान यहीं रुकने वाला नहीं दिखता। तहरीक मुस्लिम शब्बन नामक संगठन के अध्यक्ष मुश्ताक मलिक ने ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल और वेल्फेयर इंस्टीट्यूशन बनाने का ऐलान किया है। पता नहीं आगे कौन कहां बाबर के नाम पर और कुछ निर्माण की घोषणा कर दे। विडंबना देखिए कि उच्चतम न्यायालय ने आदेश में मुस्लिम समुदाय को मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ जमीन दिया है। अनेक मुस्लिम नेताओं ने घोषित कर दिया कि उन्हें वह जमीन नहीं चाहिए। बेलडांगा की तस्वीर देखकर किसी को अगर डर पैदा नहीं होता तो साफ है कि वह इतिहास एवं वर्तमान दोनों से सीख लेने को तैयार नहीं है । भारत विभाजन के पीछे बंगाल वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप से कट्टरपंथियों के लिए बहुत बड़ी ताकत बना था। 16 अगस्त, 1946 को डायरेक्ट एक्शन दे यही हुआ था जिसमें कई हजार हिंदुओं को सरेआम काटा गया महिलाओं की इज्जत से खिलवाड़ हुए ताकि गैर मुस्लिम डर जाएं ,कांग्रेस दबाव में आए एवं ब्रिटिश सरकार के सामने मुसलमानों के लिए अलग देश देने के अलावा चारा न बचे। आज बंगाल के अलावा भी देश में किसी ने किसी रूप में डायरेक्ट एक्शन दे चल रहा है। आखिर हुमायूं कबीर के साथ मुस्लिम समुदाय के इतने लोगों का खड़ा होना, कई करोड़ रूपया देना, माथे पर ईंट लेकर चलना, खतरनाक नारे लगाना तथा लगातार धन भेजते रहने का विश्लेषण आप कैसे करेंगे? समारोह स्थल पर नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के साथ हिंसक नारे भी लग रहे थे। पुलिस प्रशासन रोकने की औपचारिक भी नहीं निभा सका।

कुछ लोग इसे पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़ कर देख सकते हैं। हुमायूं कबीर ने असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ गठबंधन कर 135 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इनमें 90 स्पष्ट मुस्लिम प्रभाव वाले तथा 45 अन्य सीटें हैं। विश्लेषण किया जा सकता है कि उससे क्या तृणमूल को चुनाव में क्षति होगी? यह प्रश्न केवल चुनाव की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है देश के लिए डर पैदा होने वाली घटना है। अगर दो पार्टियां ही सही बाबर और फिर बाबरी मस्जिद के नाम पर मानती हैं कि उन्हें मुसलमानों का वोट मिल जाएगा तो इससे देश की स्थिति का अनुमान लगा लीजिए। ममता बनर्जी ने भी मुस्लिम वोट खिसकने के डर से ही हुमायूं कबीर को रोकने का कदम नहीं उठाया। अगर इतने बड़े समुदाय में बाबर के नाम पर वोट मिलने या कटने की उम्मीद या भय है तो इससे खतरनाक स्थिति कुछ नहीं हो सकती। हुमायूं कबीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि सभी पार्टियों से है। पर उनकी सांप्रदायिक गैर मुस्लिम खासकर हिंदू विरोधी मानसिकता लंबे समय से सामने है। मई 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि, मुर्शिदाबाद में 70 फ़ीसदी जनसंख्या मुस्लिम है। बीजेपी के समर्थकों को भागीरथी नदी में फेंक देंगे। मुर्शिदाबाद में भाजपा के समर्थक कौन लोग हैं किस समुदाय के लोग हैं?

इसी वर्ष अप्रैल में मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंदू विरोधी हिंसा को याद करिए और हुमायूं कबीर के इस बयान से जोड़िये। कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा गठित तथ्य खोजी समिति ने मई, 2025 में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में दिल दहलाने वाले बातें कहीं थी। उसमें कहा गया था कि हिंसा केवल हिंदुओं के विरुद्ध थी और सुनियोजित थी तथा स्थानीय तृणमूल के मुस्लिम नेता और पार्षद ने हिंसा का नेतृत्व किया। यह भी कि लोगों ने पुलिस से मदद मांगी, पर पुलिस ने न हिंसा रोकने की कोशिश की और न पीड़ितों को सुरक्षा देने की ही। उसे दौरान हिंदुओं के कई गांवों के सारे घर जला दिए गए, आग बुझाए न जा सकें इसलिए पानी के कनेक्शन काटे गए और यहां तक कि तालाबों में जहर डालने की घटनाएं भी सामने आईं। इन सबके लिए बहाना वक्फ विधेयक के विरोध का बनाया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसका विरोध करने की जगह पहले बीएसएफ पर आरोप लगाया कि उसने बांग्लादेश से बुलाकर हिंसा कर दी और फिर बाद में इसे भाजपा और संघ की साजिश करार देतीं रहीं।

पहले बंगाल के वामपंथी शासन और बाद ममता ने ऐसे खतरनाक कट्टर हिंसक शेर की सवारी की जो उनके लिए भी संकट बन रहा है और देश के लिए तो खैर भीषण समस्या हुआ ही है। अंदर की स्वाभाविक मजहबी कट्टरवादी सोच धीरे-धीरे सामने आने लगा। आज हम मुसलमानों के बड़े तपके को औरंगजेब, बाबर, गजनी स्वयं को गाजी घोषित करने वाले क्रूर हमलावरों के साथ सरेआम जोड़ते देख रहे हैं। किसी भी समुदाय से उम्मीद की जानी चाहिए कि अगर इतिहास की कुछ बातें स्पष्ट हैं तो उन्हें स्वीकार कर दूसरों की भावनाओं का सम्मान करें। भारत में सारे दृश्य इसके उलट हैं। मुसलमानों के शायद सबसे बड़े संगठन के मौलाना मदनी सरेआम कहते हैं कि अगर जुल्म होगा तो जिहाद होगा। ध्यान रखिए उसके एक दिन पहले ही दिल्ली में डॉक्टर आतंकवादियों के समूह में से एक ने कार विस्फोट कर स्वयं को उड़ा लिया था।

उसकी किसी संगठन ने स्वयं औपचारिक निंदा नहीं की। सीधा समर्थन न करते हुए किंतु परंतु के साथ सरकार एवं हिंदू संगठनों के व्यवहार को इसका कारण साबित करने की कोशिश की जा रही है। उच्चतम न्यायालय के अयोध्या मामले पर फैसले के बाद से किसी मुस्लिम संगठन के नेता ने इसे न्यायसंगत नहीं माना। फैसले को स्वीकार करने की जगह खुलेआम अपने को इस देश पर हमला करने , दूसरे पंथों , धर्म के स्थलों को ध्वस्त करने या उन पर मस्जिद या मजार आदि बनाने को इस्लामी मानता है तो उन्हें आप तथ्य और तर्कों से सहमत नहीं कर सकते। बाबरी मस्जिद की नींव के बाद देश को इस्लाम की स्वाभाविक कट्टरवाद के कटु यथार्थ समझना चाहिए और सरकार के साथ एक-एक व्यक्ति को तय करना चाहिए कि इनका मुकाबला कैसे करें।

बंगाल और अन्य प्रदेश के मतदाता कम से कम अपने वोट से इसका विरोधकरें। मुस्लिम समुदाय के अंदर भी ऐसे लोगों हैं जो इस प्रकार के व्यवहार को उचित नहीं मानते और भारत की एकता अखंडता कायम रखना चाहते हैं। उन्हें भी आगे आकर विरोध करना पड़ेगा। उन्हें बताना पड़ेगा कि जिन्हें भारत में समस्या दिख रहा है वे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान आदि की स्थिति देख लें। वहां संघ तथा भाजपा नहीं है। यहां आप बहाने बना सकते हैं, उन देशों की हालत के लिए किस दोषी मानेंगे।

मंथन

संसद में प्रतिबंधित ई-सिगरेट की गूंज

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

ई-सिगरेट एक बार फिर चर्चा में है। भारत सरकार ने साल 2019 में ई-सिगरेट को देश में पूरी तरह से बैन कर दिया था और ई-सिगरेट से जुड़ी सभी गतिविधियों को गैर कानूनी घोषित माना गया। इसके बावजूद देश में ई-सिगरेट का प्रयोग करने वालों की कमी नहीं है। पुलिस ने कई बार छापेमारी कर ई-सिगरेट को जब्त भी किया है। अब तो ई-सिगरेट देश की संसद में भी पहुँच गई है। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में यह कहकर सनसनी फैला दी की सदन में एक सांसद ई-सिगरेट पी रहा है। उन्होंने कहा सदन की कार्यवाही के दौरान तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद को ई-सिगरेट पीते हुए देखा गया है। बीजेपी नेता ने पूछा कि क्या संसद के भीतर ऐसे उपकरणों के इस्तेमाल की इजाजत है? जैसे ही यह आरोप लगा, सदन में शोर मच गया। ठाकुर ने सीधे लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से पूछा कि क्या ई-सिगरेट के इस्तेमाल की अनुमति उन्होंने दी है। स्पीकर ने स्पष्ट करते हुए कहा, नहीं, किसी को भी इसकी अनुमति नहीं है। इस बयान के बाद माहौल और गंभीर हो गया। ठाकुर ने मांग की कि जो भी सांसद इस प्रतिबंधित डिवाइस का इस्तेमाल कर रहा है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। बाद में तृणमूल के एक वरिष्ठ सांसद सौगात राय को संसद परिसर में ई- सिगरेट के कश लेते हुए देखा गया। बीजेपी नेताओं द्वारा टोके जाने पर सौगत रॉय दिल्ली प्रदूषण की आड़ में अपने किए को जायज ठहराते सुने गए। उन्होंने कहा, आप लोगों ने दिल्ली को क्या बना दिया है। यहां तो सांस लेना 25 सिगरेट पीने के बराबर है। केंद्रीय मंत्रियों ने सार्वजनिक स्थल का हवाला देते हुए सिगरेट पीने पर टोका तो वे इसे नकारते हुए चले गए। यह उल्लेखनीय है देश में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर रोक है।

ऐसे में सवाल उठता है कि ई-सिगरेट आखिर है क्या? ये आम सिगरेट से कितना खतरनाक होता है। भारत में इसे कब बैन किया गया और इसे पीने और बेचे जाने पर किस तरह की सजा का प्रावधान है? ई-सिगरेट से कई प्रकार के विषैले पदार्थ निकलते हैं जिससे कई बीमारियां होती हैं और इसका जहर अचानक शरीर के किसी भी हिस्सों को प्रभावित करता है। ई-सिगरेट में निकोटिन पाया जाता है और अगर निकोटिन का सेवन शुद्ध रूप में किया जाय तो कैंसर जैसी घातक बीमारी भी हो सकती है। ई सिगरेट स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत हानिकारक है. इसमें फार्मेल्डिहाइड, भारी धातुएं, बेंजीन जैसे तत्व होते हैं जो कैंसरकारी होते हैं। इसमें मौजूद ई तरल पदार्थ में ग्लाइकोजेन और निकोटिन पाया है जो जहरीला होता है। लगभग 37 देशों में ई-सिगरेट पर बैन है। भारत भी इन्हीं देशों में से एक है। भारत सरकार ने साल 2019 में ई-सिगरेट को देश में पूरी तरह से बैन कर दिया था और ई-सिगरेट से जुड़ी सभी गतिविधियों को गैर कानूनी घोषित माना गया है। बात की जाए सजा की तो इस कानून में पहली बार अपराध करने पर 1 साल तक की जेल या 1 लाख रुपए तक का जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान है । इसी के साथ दूसरी बार अपराध करने पर 3 साल तक की जेल के साथ 5 लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है ।

भारत सरकार ने देश में ई-सिगरेट पर प्रतिबन्ध लगा दिया मगर सिगरेट पर नहीं। यह विवेचना का विषय हो सकता है की ई-सिगरेट ज्यादा खतरनाक है या सिगरेट। मगर यह बिलकुल सही है की हमारी सेहत के लिए दोनों ही खतरनाक है। एक सांपनाथ है तो दूसरा नागनाथ। महानगरों में ई-सिगरेट का प्रचलन बढ़ गया था। धूम्रपान सेहत के लिए हानिकारक होता हैं। ये बात टीवी, न्यूज पेपर, होर्डिंग में दिखने वाले विज्ञापनों में कई बार देखने को मिलती हैं. यहाँ तक कि सिगरेट के पैकेट पर भी लिखा होता हैं कि सिगरेट पीना हानिकारक हैं और इससे कर्करोग होता है। लेकिन इसके बावजूद लड़के और लड़किया धड़ले सिगरेट फूंकते जाते हैं। अब जबकि देश में ई-सिगरेट पर रोक लग चुकी है तो सिगरेट से होने वाले नुक्सान से भी लोगों को सावचेत करने की जरूरत है क्योंकि ई-सिगरेट पीने वालो ने अब सिगरेट पीना शुरू कर दिया है।

विभिन्न शोधों से जो परिणाम सामने आये हैं वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि धूम्रपान, रक्त संचार की व्यवस्था पर हानिकारक प्रभाव डालता है। धूम्रपान का सेवन और न चाहते हुए भी उसके धूएं का सामना, हृदय और मस्तिष्क की बीमारियों का महत्वपूर्ण कारण है। इन अध्ययनों में पेश किये गये आंकड़े इस बात के सूचक हैं कि कम से कम सिगरेट का प्रयोग भी जैसे एक दिन में पांच सिगरेट या कभी कभी सिगरेट का सेवन अथवा धूम्रपान के धूएं से सीधे रूप से सामना न होना भी हृदय की बीमारियों से ग्रस्त होने के लिए पर्याप्त है।

नजरिया

न्यूरो से अपराध विज्ञान तक : यौन अपराधों की वैज्ञानिक पड़ताल

प्रो. डॉ. मनमोहन प्रकाश

यौन हिंसा केवल सामाजिक अव्यवस्था या नैतिक पतन का परिणाम नहीं, बल्कि इसमें जटिल वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, न्यूरोलॉजिकल और सामाजिक-आर्थिक कारण गहरे जुड़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2024) के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं अपने जीवनकाल में किसी न किसी रूप में यौन हिंसा का शिकार होती हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन की रिपोर्ट में हर वर्ष विश्व में करीब 1.2 करोड़ लड़कियाँ यौन शोषण झेलती हैं। भारत में राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी, 2023) के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 32-35 हजार बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं, जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक है क्योंकि ज्यादातर पीड़ित शिकायत दर्ज नहीं करातीं। न्यूरोविज्ञान के अध्ययन बताते हैं कि यौन अपराध केवल यौन इच्छा का परिणाम नहीं हैं, बल्कि मस्तिष्क के आवेग-नियंत्रण, सहानुभूति और नैतिक निर्णय से जुड़े हिस्सों की विकृति इसका कारण हो सकती है। प्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स की खराब कार्यक्षमता सोच और नियंत्रण को कमजोर करती है, जबकि अमिग्डाला की अत्यधिक सक्रियता आक्रामकता बढ़ाती है। अनेक अपराधियों में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के असामान्य स्तर पाए गए हैं, जो हिंसक यौन प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं। बचपन के आघात और पारिवारिक हिंसा मस्तिष्क के पुरस्कार तंत्र को भी विकृत कर, आवेग नियंत्रण को कमजोर करती हैं।डिजिटल युग में अश्लील सामग्री की बढ़ती उपलब्धता अपराध के स्वरूप को बदल रही है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय (2024) के अध्ययन के अनुसार अत्यधिक अश्लीलता देखने से डोपामीन स्तर असंतुलित हो जाता है, जिससे तीव्र उत्तेजनाओं की तलाश बढ़ती है। भारत में स्मार्टफोन की पहुँच ने किशोरों को इस मानसिक जोखिम में और अधिक संवेदनशील बना दिया है।

अपराधविज्ञान के अनुसार यौन अपराध जैविक कारणों के साथ-साथ सामाजिक संरचना, पितृसत्तात्मक सोच, लैंगिक असमानता और शक्ति प्रदर्शन से भी जुड़े हैं। इन अपराधों का उद्देश्य यौन संतुष्टि से अधिक प्रभुत्व स्थापित करना होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन बताता है कि 40-55 प्रतिशत यौन अपराधी नशे की हालत में रहते हैं। शराब और नशीली दवाएं मस्तिष्क की निर्णय क्षमता को प्रभावित कर आवेग नियंत्रण कम कर देती हैं। इसके साथ-साथ बढ़ता आर्थिक तनाव और सामाजिक दबाव भी आक्रामकता को बढ़ावा देते हैं।न्याय व्यवस्था की कमजोरियाँ भी यौन अपराधों को प्रोत्साहित करती हैं। भारत में उक्त अपराधों की दोषसिद्धि दर मात्र 25-30 प्रतिशत है। लंबी सुनवाई, फोरेंसिक जांच की कमी, साक्ष्य खराब होना और सामाजिक दबाव अपराधियों को दंड से बचाता है। निरोध सिद्धांत के अनुसार भयभीत दंड व्यवस्था ही अपराध कम कर सकती है।

इस समस्या का समाधान बहुआयामी होना चाहिए। बच्चों और युवाओं को उम्र-उपयुक्त यौन शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और भावनात्मक संयम सिखाना आवश्यक है। अश्लील सामग्री से बचाव के लिए कार्यक्रम और मानसिक परामर्श प्रभावी हो सकते हैं। समाज में महिलाओं के सम्मान और समानता को बढ़ावा देना जरूरी है, और मीडिया में महिलाओं के वस्तुकरण पर नियंत्रण होना चाहिए। न्यायिक सुधारों में त्वरित न्यायालय, अत्याधुनिक फोरेंसिक तकनीक, डीएनए परीक्षण और अपराधियों के लिए व्यवहार चिकित्सा मददगार सिद्ध हो सकते हैं। पीड़ितों के लिए मनो-आघात चिकित्सा और सुरक्षित पुनर्वास भी सर्वप्राथमिकता है। यौन हिंसा को केवल सामाजिक या नैतिक समस्या नहीं, बल्कि न्यूरोविज्ञान, मनोविज्ञान, अपराधविज्ञान और सामाजिक संरचना के समग्र दृष्टिकोण से समझना चाहिए। तभी एक ऐसा समाज बनाया जा सकता है जहाँ किसी को हिंसा या उत्पीड़न से न डरना पड़े।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता ।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

एअर इंडिया विमान हादसे के छह महीने, कई पीड़ित परिवारों के ब्रिटेन में रहने के सपने टूटे

अहमदाबाद/भाषा

अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के शुक्रवार को छह महीने पूरे हो गए और इस हादसे में कई लोगों ने अपने परिजनों को ही नहीं खोया बल्कि ब्रिटेन में रहने के सपने को भी चकनाचूर कर दिया। सूरत के रहने वाले हिरेन दयानी की मां कैलाशबेन उन 260 लोगों में से एक थीं, जिनकी मौत 12 जून को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए बोइंग 787-8 में हो गयी थी। दयानी अपनी मां की मौत के गम से उबरे भी नहीं थे कि पिता को भी दिल का दौरा पड़ने की वजह से खो दिया। इसके बाद उन्होंने लंदन में अपनी अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ दी और पत्नी नम्रता के साथ सूरत में स्थायी रूप से बसने का फैसला किया। दयानी लंदन में एक क्लिनिकल रिसर्च साइंटिस्ट के रूप में काम कर रहे थे, जबकि उनकी पत्नी एक दंत चिकित्सक के तौर पर काम करती थीं।

दयानी ने बताया, एम.फार्मा की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैं 2020 में लंदन गया था और मैंने वहां स्थायी निवास दर्जा प्राप्त करने की योजना बनाई थी ताकि मैं और मेरी पत्नी आसानी से दोनों देशों के बीच यात्रा कर सकें और भारत में अपनी मां के साथ लंबे समय तक रह सकें। जब यह त्रासदी हुई, तब मेरी मां अकेले लंदन जा रही थीं। उन्होंने बताया कि पिता की मृत्यु के बाद मुझे मानसिक रूप से कमजोर छोटी बहन की देखभाल करनी थी।

दयानी ने बताया, यहां मेरी बहन की देखभाल करने वाला कोई नहीं था, इसलिए मैंने सूरत वापस आकर नए सिरे से शुरुआत करने का फैसला किया है। मुझे और मेरी पत्नी को कुछ नौकरियों के प्रस्ताव मिले, लेकिन वेतन ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी ने एक डेंटल क्लिनिक खोला है, और मैं अपनी खुद की फार्मेसी शुरू करने के लिए काम कर रहा हूं। देवभूमि द्वारका जिले के भाणवड कस्बे के हरीश गोधानिया ने हादसे में पत्नी रिद्धि और तीन साल के बेटे को खो दिया। हादसे के समय रिद्धि दांत का ऑपरेशन करा कर लंदन लौट रही थी। गोधानिया अब अपने माता-पिता के साथ जामनगर में रहते हैं। उन्होंने कहा कि अब वह ब्रिटेन वापस नहीं जा रहे हैं, जहां वह पिछले तीन वर्षों से डेटा विश्लेषक के रूप में काम कर रहे थे। गोधानिया ने कहा, मैं वापस नहीं जा रहा हूं। मैंने अपने बेटे के बेहतर भविष्य के लिए ब्रिटेन में बसने की योजना बनाई थी। लेकिन अब इसका कोई मतलब नहीं है।

स्वदेशी जोरावर सिंह टैंक सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : सिन्हा

जम्मू/भाषा

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि देश में ही विकसित डोगरा योद्धा जनरल जोरावर सिंह के नाम पर नामित टैंक उनकी विरासत का सम्मान बढ़ाएगा तथा सशस्त्र बलों की ताकत को और मजबूती देगा। वह सिंह के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, जोरावर टैंक भारत का पहला स्वदेशी हल्का टैंक है, जिसे विशेष रूप से चीन सीमा के साथ अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में युद्ध के लिए विकसित किया गया है। उपराज्यपाल ने बताया कि इस वर्ष लद्दाख के 4,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नियौमा और राजस्थान के जैसलमेर के रेगिस्तान में टैंक का सफल परीक्षण किया गया।

सिन्हा ने कहा, जनरल जोरावर सिंह को सम्मानित करने और उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों में जीवित रखने के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनके नाम पर एक हल्का टैंक निर्मित किया गया है। इसका नाम जनरल जोरावर सिंह टैंक रखा गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि इस टैंक को विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले और रेगिस्तानी इलाकों के लिए डिजाइन किया गया है और यह ऐसे क्षेत्रों में देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करेगा।

सम्मान समारोह

मुंबई में शुक्रवार को महिला कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य मुंबई में एक सम्मान समारोह के दौरान फोटो खिंचवाती हुईं।

आदित्य धर की 'धुरंधर' पर पाकिस्तान में तीखी प्रतिक्रिया, सटीकता पर सवाल

कराची/भाषा

आदित्य धर की जासूसी थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' भारत के साथ ही पाकिस्तान में भी विवादों का केंद्र बन गई है। फिल्म की कहानी जिस पाकिस्तानी पृष्ठभूमि पर आधारित है, वहां के समीक्षकों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसमें तथ्यात्मक अशुद्धियां होने और इतिहास से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की है। रणवीर सिंह अभिनीत यह जासूसी रोमांचक फिल्म पांच दिसंबर को प्रदर्शित हुई है। इसकी कहानी कंधार विमान अपहरण, 2001 संसद हमला और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित गुप्तचर अभियानों को दर्शाती है। भारत में कई समीक्षकों और लोगों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं प्राप्त करने वाली यह फिल्म, मुख्य रूप से कराची के ल्यारी इलाके पर आधारित है, जो अपने गैंग वॉर और हिंसक क्षेत्रीय लड़ाइयों के इतिहास के लिए जाना जाता है। अब पाकिस्तानी समीक्षक, अभिनेता और कंटेंट क्रिएटर भी इस चर्चा में शामिल हो गए हैं। जाने-माने फिल्म समीक्षक उमैर अलवी ने कहा कि फिल्म अच्छी बनी है, लेकिन कराची और 2007-2008 की अवधि का चित्रण सटीक नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शकों को शायद इन अशुद्धियों की परवाह न हो और उनके लिए यह बड़े सितारों वाली एक मनोरंजक एक्शन फिल्म है।

रंगमंच अभिनेता कमर रजा ने दावा किया कि 'धुरंधर' का विचार 2022 की एक पाकिस्तानी फिल्म से प्रेरित लगता है, जो 2014 में कार बम विस्फोट में मारे गए पुलिस अधिकारी चौधरी असलम पर आधारित थी। उन्होंने कहा कि भारत के विपरीत, पाकिस्तान में जनता हमेशा से प्रचार फिल्मों को खारिज करती रही है। सामग्री निर्माता बिलाल हसन ने मिली-जुली प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि फिल्म बहुत अच्छी बनी है और एक्शन दृश्य शानदार हैं, लेकिन इसमें पाकिस्तान-विरोधी संवादों की भरमार है, जिसे उन्होंने सीधा प्रचार बताया।

अभिवादन

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो, नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के डिप्टी लीडर असले टोजे के साथ (बाएं) ओस्लो में ग्रैंड होटल के बाहर अभिवादन करते हुए।

'ह्यूमन कोकेन' के ट्रेलर ने दर्शकों को हिलाकर रख दिया

मुंबई/एजेन्सी

ह्यूमन कोकेन का ट्रेलर आखिरकार अलग-अलग डिजिटल और मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ हो गया है और शुरुआती रिएक्शन आ रहे हैं। चौंकाने वाले विज़ुअल्स और इंटेंस पलों से भरी यह फिल्म ड्रग रैकेट, क्राइम और सर्वाइवल की छिपी हुई दुनिया में एक रॉ और बेचैन करने वाला लुक दिखाती है। ट्रेलर में पुष्कर जोग को एक कैदी के रूप में पूरी तरह से बदले हुए अवतार में दिखाया गया है, जो एक खतरनाक और मुश्किल जाल में फंसा हुआ है। इशिता राज, जो अपने रोमांटिक और हल्के-फुल्के रोल्स के लिए जानी जाती हैं, पहली बार एक डार्क, ग्रिटी और ग्रंजी किरदार निभा रही हैं, जो एक एक्ट्रेस के तौर पर उनकी वर्सेटिलिटी दिखाती है। पुष्कर के साथ कैदी बनी इशिता, एक ज़मीनी और इमोशनल गहराई लाती है जो हर फ्रेम में टेंशन को बढ़ाती है। सिद्धांत कपूर अपने अनोखे लुक से एक ज़बरदस्त असर डालते हैं, एक ब्लैक मिनी ड्रेस में दिखाई देते हैं जो उनके रहस्यमयी और एजी किरदार को और बढ़ा देता है। जाने-माने एक्टर ज़ाकिर हुसैन एक डरावने और दमदार रोल में हैं, और अपनी खतरनाक मौजूदगी से एक गहरी छाप छोड़ते हैं। ह्यूमन कोकेन कोकेन के एक नए, बहुत महंगे रूप के उभरने को दिखाती है, जिसे बहुत ही बेरहम और परेशान करने वाले प्रोसेस से बनाया गया है। जैसे-जैसे यह डरावनी सच्चाई सामने आती है, पुष्कर जोग और इशिता राज खुद को इसके अंधेरे और खतरनाक जाल में फंसा हुआ पाते हैं।

इंटेंस पलों, परेशान करने वाले विज़ुअल्स और कड़वी सच्चाइयों से भरी यह फिल्म असली घटनाओं से प्रेरित एक गहरी कहानी पेश करती है, जो अंडरवर्ल्ड के एक ऐसे पहलू को सामने लाती है जो ज़्यादातर अनदेखा रहता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, पुष्कर जोग ने कहा, ह्यूमन कोकेन ने मुझे एक एक्टर और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ाया। यह कैरेक्टर ऐसे हालात में फंसा हुआ है जो उसके कंट्रोल से बाहर हैं और वह लाचारी, वह डर, वह गुस्सा कैमरा बंद होने के बाद भी मेरे साथ रहा। यह मेरे अब तक के सबसे इंटेंस प्रोजेक्ट्स में से एक है। राइटर और डायरेक्टर सरीम मोमिन ने कहा, ह्यूमन कोकेन हमारे आस-पास मौजूद एक डरावनी सच्चाई की झलक है। इसे देखना आरामदायक या आसान नहीं है। यह परेशान करने, उकसाने और बातचीत शुरू करने के लिए है। इस फिल्म का हर किरदार समाज के एक ऐसे पहलू को दिखाता है जो अक्सर छिपा होता है। इशिता राज, सिद्धांत कपूर, ज़ाकिर हुसैन और ब्रिटिश एक्टर्स की एक दमदार टीम वाली इस फिल्म में एक मज़बूत इंटरनेशनल एस्थेटिक है।

सरीम मोमिन द्वारा डायरेक्ट और लिखी गई, ह्यूमन कोकेन को स्कारलेट स्लेट स्टूडियोज़, वाइनलाइट लिमिटेड और टेक्स्टरस्टेप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले गूजबंप्स एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया गया है। प्रोड्यूसर ची टेंग जू और हरित देसाई हैं। फिल्म को सिनेमैटोग्राफर सोपान पुरंदरे ने शूट किया है और संदीप फ्रांसिस ने एडिट किया है।

ज़बरदस्त बैकग्राउंड स्कोर क्षितिज तारे ने बनाया है, जबकि कोरियोग्राफी पवन शेट्टी और खालिद शेख ने की है, जो कहानी में और गहराई लाती है। यूनाइटेड किंगडम में बड़े पैमाने पर शूट की गई, ह्यूमन कोकेन सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है यह उस दुनिया का एक पक्का आईना है जिसका सामना करने से हम डरते हैं। यह फ़िल्म 16 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज़ होगी।

ओशो और दिलीप कुमार को सुभाष घई ने बताया 'मेंटर'

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने दो मेंटर्स, आध्यात्मिक गुरु ओशो और दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार, को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। दोनों ही महान हस्तियों को सुभाष घई ने अपने जीवन का असली मार्गदर्शक और पेरेंट्स बताया। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खास पोस्ट करते हुए लिखा, आज मेरे दो असली मेंटर्स का जन्मदिन है। आप दोनों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ओशो ने मेरे जीवन और आत्मविकास में साथ दिया और दिलीप कुमार ने मेरे प्रोफेशनल दुनिया के विकास में साथ दिया।उन्होंने दोनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए आगे लिखा, मेरे असली पेरेंट्स, मैं हर अच्छे और बुरे समय में आप दोनों को हमेशा याद करता हूं। धन्यवाद सर, मुझे एक खुश और विनम्र इंसान बनाने के लिए, जो आखिर तक बेहतरीन की तलाश करता रहे। ओशो (रजनीश) का जन्म 11 दिसंबर 1931 को हुआ था, जबकि 'ट्रेजेडी किंग' दिलीप कुमार का जन्म 11 दिसंबर 1922 को हुआ था। संयोग से दोनों महान शख्सियतों का जन्मदिन एक ही तारीख को पड़ता है।

सुभाष घई अक्सर दिलीप कुमार की तारीफ करते नजर आते हैं और उन्हें अपना प्रोफेशनल गुरु मानते हैं। वहीं, घई ओशो के विचारों से भी गहरे रूप से प्रभावित रहे हैं और इसे खुलकर स्वीकार करते हैं।सुभाष घई बताते हैं कि उनकी जिंदगी में ओशो का खास महत्व रहा है। वह उनके न केवल गुरु बल्कि मित्र भी रहे हैं, उन्हें 40 वर्षों से जानते हैं।घई ने शिक्षक दिवस के मौके पर पोस्ट में उल्लेख भी किया था कि पिछले 40 सालों से ओशो उनके विचारों को लगातार प्रेरित करते रहे हैं और जीवन के हर दर्शन, लोगों, ऊर्जा और सच्चाई के पीछे छिपे सत्य को नई रोशनी में लाने में सहायक रहे हैं। वह ओशो के मशहूर सूत्र मेरी बात सुनो, मेरा अनुसरण मत करो, बस स्वयं साक्षी बनो को फॉलो भी करते हैं। सुभाष घई बॉलीवुड के उन चुनिंदा फिल्ममेकर्स में से हैं, जिनकी ज्यादातर फिल्में सफल रही हैं। उन्होंने 'ताल', 'परदेस', 'राम लखन', 'करण-अर्जुन', 'खलनायक' और 'हीरो' जैसी सुपरहिट फिल्में दीं।

आलिया भट्ट को रेड सी फिल्म महोत्सव में मिला 'गोल्डन ग्लोब्स अवार्ड'

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट को सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित ' पांचवें रेड सी अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। 'राजी', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' तथा हॉलीवुड फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी दिखाने वाली भट्ट को एक समारोह में सम्मानित किया गया, जहां उनके साथ ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी भी थी, जिन्हें उमर शरीफ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 'गोल्डन ग्लोब्स' की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा, हमें हेंड सबरी को उमर शरीफ पुरस्कार प्रदान करने का सम्मान प्राप्त हुआ। सबरी वास्तव में एक नेक इंसान और प्रतिष्ठित कलाकार हैं। उनका काम अरब सिनेमा की गहराई, ताकत और वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम आलिया भट्ट को 'गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवार्ड' से सम्मानित करते हुए भी उतने ही उत्साहित हैं। ये पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में आलिया के शानदार योगदान और वैश्विक स्तर पर फिल्म तथा टेलीविजन के लिए पश्चिम एशिया के एक तेज़ी से उभरते और प्रभावशाली केंद्र बनने का भी जश्न मनाता है।

ये दोनों सम्मान पश्चिम एशिया, एशिया और उत्तरी अफ्रीका में रचनात्मक उत्कृष्टता का जश्न मनाते हैं। उमर शरीफ पुरस्कार का नाम मिस्र के दिग्गज अभिनेता और तीन बार 'गोल्डन ग्लोब' विजेता रहे उमर शरीफ के नाम पर रखा गया है। यह पुरस्कार वैश्विक सिनेमा पर अपने काम से लोगों को प्रभावित करने वाले कलाकारों को सम्मानित करता है। भट्ट (32) ने कहा, गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है और मैं उन नए कलाकारों और महिलाओं की ओर से बोलने का अवसर पाकर आभारी हूं, जो दुनिया भर में फिल्म और टेलीविज़न में बदलाव ला रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब वैश्विक आवाजें अधिक समावेशी और प्रभावशाली कहानियां सुनाने के लिए एक साथ आ रही हैं, यह सम्मान विशेष रूप से महत्वपूर्ण लगता है।

सारा अर्जुन के डेब्यू पर भावुक हुए पिता राज अर्जुन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता राज अर्जुन फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उन्होंने हिंदी सिनेमा से लेकर साउथ सिनेमा तक अपने अभिनय का परचम लहराया है। वहीं, उनकी बेटी सारा अर्जुन भी अब बॉलीवुड में फिल्म 'धुरंधर' से डेब्यू कर चुकी हैं। फिल्म रिलीज के बाद पूरी स्टार कास्ट के साथ सारा की भी खूब तारीफें हो रही हैं। अपनी बेटी की मेहनत देख अभिनेता फूले नहीं समा रहे हैं। बेटी की सफलता से खुश पिता राज अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा कि यह सिर्फ सारा की जीत नहीं, बल्कि पिता-बेटी का एक रूहानी सफर है। अभिनेता ने बताया कि सारा बचपन से ही उन्हें एक बेहतरीन इंसान और कलाकार बनाने में लगी रही है। अभिनेता ने सारा के बचपन का एक दिलचस्प किस्सा शेयर करते हुए लिखा, साल 2016 की बात है, जब मैं सारा को आराम नगर में मुकेश छाबड़ा सर के ऑफिस में ऑडिशन दिलाने के लिए गया था। वह जब अंदर ऑडिशन के लिए गई, तो मैं बाहर खड़ा था।

तभी मेरे पास मुकेश जी आए और कहा कि 'राज भाई, एक फिल्म कर रहा हूं, 'सीक्रेट सुपरस्टार,' आप भी ऑडिशन दे दीजिए।' यानी दरवाजा सारा के लिए खुला था, लेकिन किस्मत मेरे लिए भी खुल गई।

अभिनेता का कहना है कि अक्सर मैंने लोगों को कहते सुना है कि बेटियां पिता का हाथ पकड़कर चलती हैं, लेकिन मेरे साथ उल्टा हुआ है। मैं अपनी बेटी का हाथ पकड़कर अपनी मंजिल तक पहुंचा हूं। उन्होंने लिखा, पहले मैं सारा को संभालता था, लेकिन अब वह मुझे संभाल रही है।

सारा में एक अजीब-सा ठहराव है, तहजीब है, रूहानी सादगी है, और साथ ही आग भी है। वह कभी समझाती है, कभी थाम लेती है और कभी एक नजर से मेरे अंदर के तूफान को शांत कर देती है।उन्होंने आखिरी में लिखा, अब सारा धुरंधर में अपने अभिनय की चमक बिखेर रही है, तो मेरा दिल कहता है, जिसे मैंने कभी थामे रखा था, आज वह मुझे थामकर उड़ान भर रही है। उन्होंने लिखा कि मेरी बेटी मेरी ताकत और खूबसूरत मोड़ है। उसकी जीत किसी शोर से नहीं, बल्कि मोहब्बत से लिखी गई है और मेरी कहानी की हर रोशनी का नाम सिर्फ सारा है।

'धुरंधर' में अपने किरदार पर राकेश बेदी ने की बात, कहा-असल चुनौती सीन फिल्माने में होती है

मुंबई/एजेन्सी

आदित्य धर द्वारा निर्देशित और निर्मित फिल्म 'धुरंधर' का बोलबाला हर तरफ देखने को मिल रहा है। फिल्म में लीड रोल निभाने वाले अभिनेताओं की तारीफ हो रही है, लेकिन फिल्म में कुछ ऐसे किरदार भी रहे, जो लीड रोल में नहीं, बल्कि पूरी कहानी को बुनने में सहायक रहे। ऐसा ही रोल फिल्म में राकेश बेदी ने निभाया है, जो मसखरा होने के साथ-साथ खतरनाक भी है। उन्होंने फिल्म में जमील जमाली नाम के पाकिस्तानी नेता का रोल प्ले किया है। अब उन्होंने आईएएनएस से फिल्म 'धुरंधर,' अपने किरदार की चुनौतियां, और फिल्म के अनुभवों को शेयर किया है। अभिनेता राकेश बेदी ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि यह किरदार असली घटनाओं से प्रेरित है और इसे कई पाकिस्तानी नेताओं की खूबियों को मिलाकर बनाया गया है। मैंने इस किरदार को पूरी तरह अपनाने के लिए सिर्फ कई नेताओं की स्पीच, आवाज, बोलने का तरीका और बॉडी लैंग्वेज का अध्ययन किया। अपने किरदार की चुनौतियों पर बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि असली चुनौती शूटिंग के दौरान सीन करने में होती है। किसी भी सीन को अच्छे से करने के लिए सबसे पहले सहज होना जरूरी होता है।

राकेश बेदी अपनी कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हमेशा अपने हास्य किरदारों से फैंस का दिल जीता है। अब आज की कॉमेडी और पहले की क्लासिक कॉमेडी पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा कि फिल्म 'चुपके चुपके', 'चश्मे बद्दूर', 'चलती का नाम गाड़ी', या 'पड़ोसन' जैसी क्लासिक फिल्में देखें, तो ये सच्ची कॉमेडी फिल्में थीं जो किसी खास कॉमेडियन पर निर्भर नहीं थीं। हर किरदार में ह्यूमर था। हमारे देश में, हर दशक में औसतन लगभग एक प्योर कॉमेडी फिल्म बनती है। आज, दो सीरियल हैं 'भाभी जी घर पर हैं' और 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा', जो नेचुरल ह्यूमर बनाए रखते हैं। इत्तेफाक से मैं दोनों का हिस्सा रहा हूं। वे लंबे समय तक चले हैं क्योंकि उनका ह्यूमर ऑर्गेनिक है।

अपने अब तक के करियर के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि मुझे हमेशा लगता है कि मैंने अभी तक काफी कुछ नहीं किया है। अगर किसी को लगने लगे कि उसने सब कुछ पा लिया है, तो तुरंत ठहराव आ जाता है। एक एक्टर सफर का मजा तभी लेता है जब उसे लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। अभिनेता ने अभी तक पर्दे पर गुदगुदाने वाले किरदार निभाए हैं। पहली बार 'धुरंधर' में सीरियस रोल निभाने पर उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए मुश्किल नहीं है क्योंकि मैंने असल जिंदगी में ऐसे लोगों को देखा है। मुझे पहले ऐसे रोल के साथ एक्सपेरिमेंट करने का मौका न मिला हो, लेकिन थिएटर ने मुझे वह आजादी दी है। मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, जिनमें नेगेटिव किरदार भी शामिल हैं, इसलिए यह रोल मेरे लिए कोई बड़ी चुनौती नहीं था।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. 'मानव' को विशिष्ट साहित्य-सेवा सम्मान

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास 'मानव' को, भाषा, साहित्य और अनुवाद के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के दृष्टिगत, गुरुवार को चेन्नई में विशिष्ट साहित्य-सेवा सम्मान प्रदान किया गया। तमिलनाडु राजभवन और सीआईसीटी, भारत सरकार, चेन्नई द्वारा महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 144वीं जन्म-जयंती और भारतीय भाषा दिवस-2025 के उपलक्ष्य में, राजभवन में आयोजित एक समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने शॉल और प्रतीक-चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर राजभवन के प्रधान सचिव और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी आर. किर्लोश कुमार, सीआईसीटी की उपाध्यक्ष डॉ. सुधा शेषैया और निदेशक प्रो. आर. चंद्रशेखरन सहित देश-भर से आये विभिन्न भाषाओं के शताधिक विद्वान, साहित्यकार और अनुवादक उपस्थित रहे। बता दें, डॉ. 'मानव' ने इसी वर्ष महान तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' का हरियाणवी भाषा में काव्यानुवाद किया था, जिसके लिए उन्हें डेढ़ लाख का मानदेय प्राप्त हुआ है। 'तिरुक्कुरल' का हरियाणवी अनुवाद शीघ्र पुस्तक-रूप में प्रकाशनाधीन है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला की परामर्श समिति के सदस्य तथा सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी (राजस्थान) में बतौर आचार्य एवं अधिष्ठाता, सांस्कृतिक संकाय के रूप में प्रतिष्ठित डॉ. 'मानव' की विभिन्न विधाओं की चौंसठ महत्त्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं तथा उनके साहित्य पर एमफिल् हेतु इक्यावन बार, पीएचडी हेतु तेईस बार और डीलिट् हेतु एक बार शोधकार्य सम्पन्न हो चुका है।

विलासिता व्यक्ति में विकृति पैदा करती है : कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधवारम एसएस जैन संघ में 12 दिसंबर को राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि सुविधा व्यक्ति को अंदर से कमजोर करती है। विलासिता विकृति पैदा करती है और लग्जरी जिंदगी इम्युनिटी पावर को कमजोर कर देती है यह तीनों ही आत्मा के उत्थान जीवन विकास के कट्टर शत्रु है।

उक्त विचार राष्ट्र संत कमल मुनि कमलेश ने भगवान पारसनाथ के तीन दिवसीय जन्म कल्याण महोत्सव को संबोधित करते कहा कि सुविधा विलासिता और लग्जरी आत्मा की अनंत शक्ति का साक्षात्कार नहीं होने देती है। उन्होंने कहा कि इन तीनों का त्याग के बिना आध्यात्मिकता में प्रवेश होना और असंभव है। विश्व के सभी महापुरुषों ने इनका त्याग किया ठोकर मारी तभी सफलता की मंजिल को प्राप्त किया।

मुनि कमलेश ने बताया कि सुविधा और साधना में 36 का आंकड़ा है। गले तक विलासिता में डूब कर आध्यात्मिकता के दुहाई देना स्वयं की आत्मा के साथ धोखा माना जाएगा धर्म और परमात्मा के साथ छल है। राष्ट्रसंत ने कहा कि सुविधा में आदमी आलसी बन जाता है अनेक मानसिक और शारीरिक रोगों का शिकार बन जाता है और आत्मा में कर्मों का बंधन हो। जैन संत ने कहा कि लग्जरी जिंदगी नकली बनावटी होने से वास्तविकता का ज्ञान नहीं होने देती है। प्रकृति से दूर हो जाता है जो कि जीने के लिए ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है। विलासिता मानव का दुर्लभ जन्म इसके भेंट चढ़ जाता है। इससे आसक्ति का निर्माण होता है और जहां आसक्ति रहती है वह आत्मा का जन्म होता है। दुर्गति का मेहमान बनना पड़ता है। सभी धर्म का लक्ष्य है विलासिता, सुविधा और लग्जरी जिंदगी से मुक्ति पाना। 13 दिसंबर को एकासना दिवस 14 दिसंबर को उवस्सग हर का सामूहिक जाप एवं भगवान पारसनाथ क्रांतिकारी अहिंसा पर प्रवचन होंगे। संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता मनीष गांग, देवीलाल रांका, आनंद पगारिया, चेतन खिवेंसरा, राकेश कुंकूलौल ने गुरु भगवंत का अभिनंदन किया।

नमस्कार महामंत्र जैन धर्म का सार्वभौम मंत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री पुण्ययशाजी म. सा. ने नमस्कार महामंत्र की प्रभावकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नमस्कार महामंत्र जैन धर्म का सार्वभौम मंत्र है। यह अनादि मंत्र है। इसमें चौदह पूर्वों का सार है। इस शक्तिशाली मंत्र से कर्म निर्जरा के साथ-साथ आधि, व्याधि तथा उपाधि दूर होती है। चित्त समाधि का सर्जन होता है। ङ्कसाध्वीश्री विनितयशाजी ने कहा कि यह जैनों का एक विशिष्ट मंत्र है। अलौकिक शाक्तियों को जगाने का मंत्र है, इसे श्रद्धा व एकाग्रता पूर्वक अपनाना चाहिए।

साध्वी वर्धमानयशा जी ने गीतिका के माध्यम से महामंत्र की महिमा बताई। राजराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वीश्री पुण्ययशा जी द्वारा लिखित 'नमस्कार महामंत्र - एक अनुशीलन' के दो भाग की पुस्तकों के द्वितीय संस्करण की प्रतियां साध्वीश्रीजी को भेंट की। जितेन्द्र घोषल ने पुस्तक की उपयोगिता को देखते हुए प्रत्येक घर में इन पुस्तकों को रखने एवं अध्ययन करने की प्रेरणा दी।

भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक का आयोजन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ रायपेटा में श्री पुरम स्ट्रीट स्थित केशर बैंक्वेट हॉल में श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सानिध्य में 14 दिसम्बर को जैन धर्म के 23वें तीर्थकर पुरुषादानी चिंतामणि भगवान पार्श्वनाथ का जन्म कल्याणक जप तप की आराधना व सामूहिक साधना के द्वारा मनाया जाएगा। केशर बैंक्वेट हॉल के सभागार में आयोजित इस प्रसंग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रावक श्राविकाओं के द्वारा एकासन, आयम्बिल, उपवास आदि तप का आराधन किया जायेगा । जैन धर्म में भगवान पार्श्वनाथ की विशेष महिमा और प्रतिष्ठा है उनके नाम रुपी मन्त्र का स्मरण करने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। समाजसेवी जवाहरलाल नाहर ने बताया कि इस कार्यक्रम का आरम्भ रविवार को सुबह 9 बजे से विघ्न बाधा विनाशक, संकट मोचक, सर्व सिद्धि प्रदायक श्री उवसग्गहर स्तोत्र जप अनुष्ठान से होगा। उसके बाद मुनिश्री का भगवान पार्श्वनाथ एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व विषय पर विशेष प्रवचन होगा। इस कार्यक्रम के लाभार्थी बनने का सौभाग्य जवाहरलाल, तरुण, अरुण नाहर ने प्राप्त किया है।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने ए के शुक्ला को प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने शुक्रवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने अजय कुमार शुक्ला को प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किये जाने को मंजूरी दे दी है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह नियुक्ति 18 दिसंबर, 2025 से पांच साल के लिए है, जो शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर करेगा।

शुक्ला अभी टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस में मुख्य व्यवसाय अधिकारी के तौर पर काम कर रहे हैं।

टाटा कैपिटल से पहले, उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक में आवास ऋण कारोबार में सात साल से ज्यादा समय तक अलग-अलग भूमिका में काम किया था।

विशाखापत्तनम और बेंगलूरु के बीच स्पेशल ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ईस्ट कोस्ट रेलवे अलग-अलग जगहों के लिए फ्लाइट्स कैंसिल होने की वजह से यात्रियों की ज़्यादा भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन नंबर 08501/08502 विशाखापत्तनम- एमएमवीटी बेंगलूरु-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस स्पेशल चलाएगा।

ट्रेन नंबर 08501 विशाखापत्तनम-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 15 दिसम्बर को 15:20 बजे विशाखापत्तनम से निकलेगी और अगले दिन 12:45 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 08502 एसएमवीटी बेंगलूरु-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस स्पेशल 16 दिसम्बर को 15:50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से निकलेगी और अगले दिन 13:30 बजे विशाखापत्तनम पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेनें दुव्वाडा, अनकापल्ले, समालकोट, राजमुंदरी, विजयवाड़ा, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेनिगुंटा, काटपाडी, जोलारपेट्टई, बंगारपेट और कृष्णराजपुरम स्टेशनों पर रुकेंगी। यह स्पेशल ट्रेनें 20 कोच के साथ चलेंगी, जिनमें सी कोच, स्लीपर क्लास, जनरल सेकंड क्लास और सेकंड क्लास लगेज-कम-गार्ड कोच शामिल हैं।

जेल में इमरान खान के साथ हो रहा दुर्व्यवहार : खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री

पेशावर/भाषा

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री मोहम्मद शोएब अफरीदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ जेल में दुर्व्यवहार किया जा रहा है। अफरीदी की ये टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब बृहस्पतिवार को अदियाला जेल प्रशासन ने उन्हें जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान से मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। प्रांतीय मंत्रिमंडल की बैठक को संबोधित करते हुए अफरीदी ने कहा कि भीषण सर्दी के बावजूद, खान और उनकी पत्नी को बुनियादी जरूरत की चीजें और गर्म कपड़े उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इमरान खान की बहनों पर पानी की बौछारों के इस्तेमाल को शर्मनाक बताया और कहा कि प्रांतीय सरकार इस तरह के अन्यायपूर्ण और अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा करती है। खान (73) विभिन्न मामलों में अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। अफरीदी ने बृहस्पतिवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि यह अजीब बात है कि अदालत के आदेशों के बावजूद एक निर्वाचित मुख्यमंत्री को अपनी पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने आगाह किया कि केंद्र में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सत्ता में लौटने के बाद संघीय और पंजाब सरकार दोनों के नेतृत्व को परिणाम भुगतने होंगे। इससे पहले बुधवार तड़के, अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। ये प्रदर्शनकारी पूर्व प्रधानमंत्री से मुलाकात से इनकार किए जाने के बाद अदियाला जेल के बाहर धरने पर बैठे थे। प्रदर्शनकारियों में खान की बहनें भी शामिल थीं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के महासचिव सलमान अकरम राजा और पार्टी के खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय अध्यक्ष जुनैद अकबर खान सहित पार्टी के वरिष्ठ सदस्य भी प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

वैष्णव कॉलेज में तीन दिवसीय कैडोफेस्ट की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अरुम्बक्कम स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज (स्वायत्त) ने सफलतापूर्वक अपने 44वें कैडोफेस्ट का उद्घाटन किया, जो कि एक प्रतिष्ठित राज्य-स्तरीय अंतर-महाविद्यालय एवं विद्यालय राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) प्रतियोगिता है। कॉलेज की 5 कॉय एनसीसी इन्फैंट्री द्वारा, 1 (टीएन) बटालियन एनसीसी, 'चेन्नई ग्रुप ' के विशिष्ट संरक्षण में आयोजित यह व्यापक तीन दिवसीय आयोजन क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण एनसीसी सम्मेलनों में से एक बनने जा रहा है, जिसमें 2,500 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी होने की संभावना है।

उद्घाटन समारोह में विभिन्न कंटिजेंट्स ने उत्साहपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में प्रमुख सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति ने गरिमा को और बढ़ाया, जिन्होंने संस्थान की एनसीसी आंदोलन के प्रति निरंतर और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर सन्तोष विश्वनाथन, ब्रिगेडियर, ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) ने प्रेरणादायक और प्रभावशाली उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया कि कठोर एनसीसी प्रशिक्षण आत्मविश्वासी, अनुशासित और जिम्मेदार भावी नागरिकों के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके संबोधन ने उपस्थित कैडेट्स को अपनी सेवा एवं शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रेरित किया।

इस पहल का सफल नेतृत्व कॉलेज के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. सन्तोष बाबू ने किया, जो एनसीसी के प्रख्यात विद्वान हैं। उन्होंने संस्था की एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उल्लेखनीय उपलब्धियों को उजागर किया। प्राचार्य ने बताया कि डीजीवीसी की एनसीसी यूनिट ने अब तक 1000 से अधिक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम, 24 थल सैनिक शिविर, और 19 युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति और सैन्य सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना है।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 32 सेना अधिकारियों और 54 पुलिस अधिकारियों का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण एवं कमीशनिंग हुआ है। साथ ही, 7 कैडेट्स ने अखिल भारतीय शीर्ष रैंक प्राप्त की है और 101 से अधिक कैडेट्स ने दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीटी) में भाग लेकर अपने नेतृत्व कौशल और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। 44वें कैडोफेस्ट में विभिन्न क्षमताओं का कठोर मूल्यांकन करने हेतु अत्यंत सुविचारित एवं व्यापक प्रतियोगिताओं की एक गतिशील श्रृंखला प्रस्तुत की गई है। निर्धारित कार्यक्रमों में कई महत्वपूर्ण विधाएँ शामिल हैं-जिनमें सटीकता-आधारित ड्रिल और मार्च-पास्ट, साथ ही व्यावहारिक कौशल की परीक्षा लेने वाली मैप रीडिंग एवं शारीरिक फिटनेस चुनौतियाँ सम्मिलित हैं। इस आयोजन को अत्यंत समर्पण और बारीकी से एनसीसी केयरटेकर ऑफिसर डॉ. ए. जयराम ने व्यवस्थित किया है। उद्घाटन समारोह का समापन औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसके बाद उत्साही प्रतिभागियों द्वारा प्रारंभिक प्रतियोगी प्रस्तुतियाँ आरम्भ कर दी गईं।

दक्षिण रेलवे के मदुरै मंडल के कर्मचारी पुरस्कृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां दक्षिण रेलवे के मदुरै मंडल के मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 12 दिसम्बर को हुई।

मंडल रेल प्रबंधक ओमप्रकाश मीना ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक में क्षेत्रीय स्तर पर राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए दी जानेवाली शील्ड प्राप्ति पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दीं। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी के सुझाव पर अधिकारी तथा सामान्य सहायक के बीच में होनेवाली बातचीत का एक सहायक साहित्य का विमोचन किया गया। राजभाषा उत्सव के सिलसिले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंडल रेल प्रबंधक ने प्रमाणपत्र प्रदान किया।

बैठक में ई-ऑफिस में हिंदी में नोटिंग संबंधी एक डेमो प्रस्तुत किया गया। हिंदी पुस्तकालयों की उपयोगिता पर चर्चा की गयी। राजभाषा अधिकारी ए. भानू ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

छोटी छोटी बातों को याद कर रिश्तों को खराब मत कीजिए : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शुक्रवार को आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ शांतिनगर में विराजित साध्वी भव्यगुणाजी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अशुभ विचारों को एकत्रित करना और उसके बाद बार-बार उनका स्पर्श करना या स्मरण करना आशीर्वाद लेने में सबसे बड़ी बाधा है। हमारी इस तरह की आदत है तो आशीर्वाद पाना कठिन हो जाएगा। हम कई बार छोटी-छोटी बातों को अपनी बेईज्जती समझ लेते हैं जबकि वह वास्तव में होती नहीं है। इसके बावजूद उन बातों को एकत्रित करने के साथ बार-बार याद भी करते हैं तो रिश्ते हिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम रिश्ते ओर इगो में किसे पहले रखते हैं सोचना पड़ेगा। संत और संसारी में इतना ही फर्क होता है जो मन को मना ले वह संत हो जाता है। किसी के प्रति मन में अशुभ विचार आए तो उसे वहीं दफना दें तो आगे के अतिचार व अनाचार से बचाव हो जाएगा। अशुभ विचार वाणी व काया तक पहुंच गए तो अधिक नुकसान हो जाएगा। ङ्कसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि हमें लगता कि किसी ने हमारी बेइज्जती की है तो हम भी उसकी बेइज़्ज़ती करने की योजना बनाते हैं। व्यक्ति इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहता है। हम किसी को परेशान करना चाहें ओर वह परेशान नहीं हो तो भी परेशानी हो जाती है कि ऐसा क्यों नहीं हो रहा है ? जब तक हम दूसरों को परेशान करने का भाव रखेंगे तब तक विराधना का जीवन जीते रहेंगे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.